धनबाद, शुक्रवार
11 सितंबर 2026
वर्ष : 03 अंक : 342
पृष्ठ : 08
मूल्य: 3 /-
E-Mail:-truthpath941@gmail.com

हिन्दी दैनिक समाचार

ट्रूथ पथ

ब्रीफ न्यूज

मुख्यमंत्री ने दुर्गा सोरेन की जयंती पर किया नमन, बोले- उनका संघर्ष हमेशा प्रेरणा देगा

रांची, (एजेंसी) : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने झामुमो के दिवंगत नेता और बड़े भाई दुर्गा सोरेन की जयंती पर उन्हें याद किया।

उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर गुरुवार को लिखा है कि दुर्गा सोरेन झारखंड आंदोलन के प्रमुख योद्धाओं में थे। वे उनके बड़े भाई के साथ-साथ अभिभावक और मार्गदर्शक भी थे।

उन्होंने झामुमो में दुर्गा सोरेन को पार्टी का मजबूत स्तंभ बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि दुर्गा सोरेन ने अपना पूरा जीवन झारखंड, झारखंडी पहचान और यहां के लोगों के अधिकारों के लिए संघर्ष में लगा दिया। उनका संघर्ष, विचार और हिम्मत हमेशा लोगों को प्रेरणा देते रहेंगे। हेमंत सोरेन ने लिखा कि स्व दुर्गा सोरेन अमर रहें।

बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए पढ़ाई के साथ खेल भी जरूरी : मंत्री

रांची, (एजेंसी) : मंत्री शिल्पी तिर्की ने कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए पढ़ाई के साथ खेल और सह पाठ्यक्रम गतिविधियां भी जरूरी हैं। खेल अनुशासन, आत्मविश्वास, टीम भावना और नेतृत्व क्षमता विकसित करने का प्रभावी माध्यम है। मंत्री गुरुवार को मोरहाबादी स्थित मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम में आयोजित सीआईएससीई नेशनल हॉकी टूर्नामेंट-2026 में बतौर मुख्य अतिथि बोल रही थी।

इस दौरान उन्होंने खिलाड़ियों का हौसला औफजाई करते हुए उन्हें खेल के प्रति प्रोत्साहित किया। तीन दिवसीय राष्ट्रीय प्रतियोगिता में देशभर के विभिन्न विद्यालयों से पहुंचे प्रतिभाशाली खिलाड़ी हॉकी में अपनी क्षमता और खेल भावना का प्रदर्शन कर रहे हैं।

मंत्री ने कहा कि विद्यार्थियों को किताबों तक सीमित रखने के बजाय खेल के मैदान में अपनी प्रतिभा पहचानने और उसे निखारने का अवसर मिलना चाहिए।मंत्री ने कहा कि सीआईएससीई से संबद्ध विद्यालय शिक्षा के साथ विद्यार्थियों की खेल प्रतिभा को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने प्रतियोगिता में भाग ले रहे खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए पूरे उत्साह, अनुशासन और खेल भावना के साथ बेहतर प्रदर्शन करने का आह्वान किया।

खुदकुशी के खतरों का समय रहते पहचानना जरूरी : डॉ आशीष

पलामू,(एजेंसी) : राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत जिला मानसिक स्वास्थ्य केंद्र, पलामू के तत्वावधान में गुरुवार को विश्व आत्महत्या निवारण दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन केंद्र के प्रभारी मनोचिकित्सक डॉ आशीष कुमार, जिला विधिक सेवा प्राधिकार के लीगल एड डिफेंस काउंसिल के डिप्टी चीफ संतोष कुमार पांडेय, डॉ सुनील कुमार और असिस्टेंट लीगल एड डिफेंस काउंसिल वीर विक्रम वक्स राय ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया।मौके पर डॉ आशीष कुमार ने कहा कि अवसाद, चिंता और चिड़चिड़ापन खुदकुशी की प्रवृत्ति के प्रमुख कारणों में शामिल हैं। मानसिक बीमारी और खुदकुशी के बीच गहरा संबंध हो सकता है। ऐसे में समय रहते मानसिक स्वास्थ्य संबंधी लक्षणों की पहचान कर उचित परामर्श और उपचार उपलब्ध कराना बेहद जरूरी है। उन्होंने खुदकुशी की रोकथाम के लिए किए जा रहे प्रयासों और इससे बचाव के उपायों की विस्तृत जानकारी दी। डॉ सुनील कुमार ने खुदकुशी के सामाजिक, मनोवैज्ञानिक और आर्थिक कारणों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि युवाओं सहित 15 से 45 वर्ष तक की उम्र के लोगों में इस तरह की समस्या गंभीर चिंता का विषय है। पारिवारिक तनाव, नौकरी छूटना, कार्य में असफलता और वैवाहिक विवाद जैसी परिस्थितियां व्यक्ति को मानसिक रूप से प्रभावित कर सकती हैं।डिप्टी चीफ संतोष कुमार पांडेय ने खुदकुशी से जुड़े कानूनी प्रावधानों और विधिक सहायता की जानकारी दी।

भारत का श्रीलंकाई वायुसेना के लिए एल-70 तोपों के उन्नयन पर समझौता

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, भारत-श्रीलंका की दोस्ती नई ऊंचाइयों को छुएगी

नई दिल्ली, (एजेंसी) : श्रीलंका की तीन दिवसीय यात्रा पर गए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को दौरे के आखिरी दिन श्रीलंकाई नेतृत्व के साथ द्विपक्षीय साझेदारी के संपूर्ण पहलुओं की समीक्षा करते हुए व्यापक चर्चा की। श्रीलंकाई वायु सेना के लिए एल-70 तोपों के उन्नयन पर समझौता ज्ञापनों का आदान-प्रदान किया गया। साथ ही राष्ट्रीय रक्षा कॉलेजों और राष्ट्रीय कैडेट कोर के बीच शैक्षणिक सहयोग पर भी चर्चा हुई। इस दौरे में श्रीलंका की प्रधानमंत्री डॉ. हरिनी अमरसूर्या से मुलाकात में करीबी सांस्कृतिक और सभ्यतागत संबंधों से जुड़े कई मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया गया।रक्षा मंत्री एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल के साथ 08 सितंबर को श्रीलंका की तीन दिवसीय यात्रा पर गए थे। राजनाथ सिंह आज श्रीलंका के

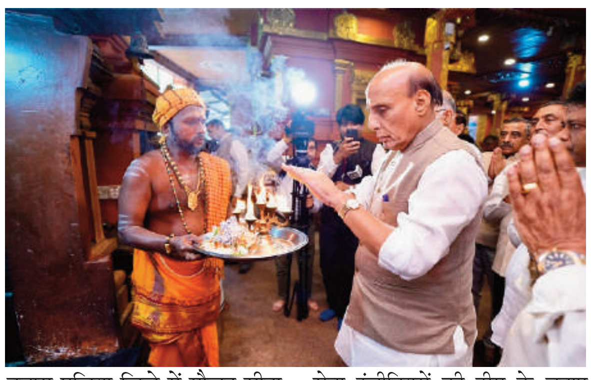

नुवारा एलिया जिले में मौजूद सीता अम्मन मंदिर भी गए, जहां पूजा-अर्चना की और आशीर्वाद मांगा। कोलंबो में पवित्र गंगारामया मंदिर जाने और भगवान बुद्ध का आशीर्वाद लेने का मौका मिला। इस दौरे में श्रीलंकाई वायुसेना के लिए एल-70 तोपों के उन्नयन पर समझौता ज्ञापनों का आदान-प्रदान किया गया। साथ ही राष्ट्रीय रक्षा कॉलेजों और राष्ट्रीय कैडेट कोर के बीच शैक्षणिक सहयोग पर भी चर्चा हुई।रक्षा मंत्री ने यात्रा के दूसरे दिन दित्वाह पुनर्वास के बाद 450 मिलियन अमेरिकी डॉलर की लागत से भारतीय सेना इंजीनियरों की टीम के बनाए कुरूनेगला और बट्टीकलोआ में तीन बेली पुलों का वर्चुअल उद्घाटन किया। श्रीलंकाई वायुसेना और श्रीलंकाई नौसेना को भी पुर्जों की आपूर्ति की गई।

उन्होंने कहा कि 'श्रीलंका की मेरी यात्रा ने द्विपक्षीय सहयोग के सभी क्षेत्रों को शामिल करते हुए भारत-श्रीलंका के बीच गतिशील और बहुआयामी संबंधों को और अधिक गति दी है।' यात्रा के दौरान आतिथ्य के लिए प्रधानमंत्री डॉ. हरिनी अमरसूर्या और श्रीलंका सरकार को धन्यवाद देते हुए उन्होंने कहा कि 'आने वाले समय में भारत-श्रीलंका की दोस्ती नई ऊंचाइयों को छुएगी। श्रीलंका के रक्षा मंत्रालय के अपने दौरे के दौरान श्रीलंका के सीनियर मिलिट्री लीडरशिप से बातचीत करने का मौका मिला। उनमें से कई ने भारत में ट्रेनिंग ली है और भारत के साथ उनका गहरा रिश्ता है।'राजनाथ सिंह ने ह्यआपसीह्न और ह्यहोलिस्टिकह्न ग्रोथ के लिए 'महासागर' के विजन पर जोर दिया और समुद्री सहयोग पर भारत-श्रीलंका के बीच लंबे समय से चली आ रही रक्षा और स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप को और मजबूत करने की इच्छा दोहराई।कोलंबो में श्रीलंका के क्रिकेट खिलाड़ियों अरविंद डी सिल्वा, सनथ जयसूर्या और चमिंडा वास से बातचीत में उन्होंने कहा कि उनके शानदार प्रदर्शन के लिए भारत में लाखों लोग उनकी तारीफ करते हैं। कोलंबो में श्रीलंका की प्रधानमंत्री हरिनी अमरसूर्या से मुलाकात के दौरान विकास में सहयोग, शिक्षा और भारत और श्रीलंका के बीच करीबी सांस्कृतिक और सभ्यतागत संबंधों से जुड़े कई मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि साझा विरासत वाली सिस्टर डेमोक्रेसी के तौर पर भारत और श्रीलंका को अपने क्षेत्र की शांति और खुशहाली के लिए एक साझा डेवलपमेंट विजन पर काम करते रहना चाहिए।श्रीलंका यात्रा के दौरान कोलंबो पोर्ट पर राजनाथ सिंह भारतीय युद्धपोत 'उदयगिरि' पर आयोजित डेक रिसेप्शन में शामिल हुए। श्रीलंका के रक्षा उप मंत्री और दूसरे सीनियर सरकारी अधिकारी भी शामिल हुए। इस इवेंट के दौरान श्रीलंकाई अधिकारियों को श्रीलंकाई एयरफोर्स के लिए इंद्र मार्क- 2, रडार के स्पेयर पार्ट्स, श्रीलंकाई शिप सौर्य के स्पेयर पार्ट्स और इन्फ्लेटेबल टारगेट सौंपे। यह उपकरण श्रीलंकाई आर्म्ड फोर्स की क्षमता और कैपेसिटी को और बढ़ाने में मदद करेगा। यह जहाज श्रीलंका में खतरनाक साइक्लोन दितवाह के दौरान सबसे पहले मदद करने वालों में से एक था। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सबसे करीबी पड़ोसी और सभ्यता का जुड़वां देश होने के नाते भारत हमेशा श्रीलंका के साथ मजबूती से खड़ा रहेगा।

राष्ट्रपति मुर्मू से मिले प्रिंस रहीम आगा खान पंचम, विकास साझेदारी पर हुई चर्चा

नई दिल्ली, (एजेंसी) : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने गुरुवार को राष्ट्रपति भवन में प्रिंस रहीम आगा खान पंचम की मेजबानी की। दोनों के बीच हुई मुलाकात में विकास साझेदारी और भारत में आगा खान विकास नेटवर्क (एकेडीएन) की सामाजिक कल्याण संबंधी पहलों पर चर्चा हुई।राष्ट्रपति ने आगा खान के रूप में जिम्मेदारी संभालने के बाद प्रिंस रहीम की पहली आधिकारिक भारत यात्रा पर उनका स्वागत किया। उन्होंने उनके पिता दिवंगत आगा खान चतुर्थ के निधन पर संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि भारत में आगा खान चतुर्थ और आगा खान विकास नेटवर्क द्वारा किए गए कार्यों को अत्यंत सम्मान और आत्मीयता के साथ देखा जाता है।मुर्मु ने भारत में एकेडीएन द्वारा संचालित विभिन्न परियोजनाओं की सराहना की। उन्होंने कहा कि नेटवर्क ने जल एवं स्वच्छता, शिक्षा, मातृ स्वास्थ्य, शहरी पुनर्विकास, महिला सशक्तीकरण और रोजगार सृजन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य किया है। राष्ट्रपति ने कहा कि एकेडीएन की ये पहल सरकार और निजी क्षेत्र के बीच साझेदारी के उत्कृष्ट उदाहरण हैं। ये परियोजनाएं यह भी दशार्ती हैं कि गैर-लाभकारी संगठन सरकार के साथ मिलकर काम करके लोगों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार ला सकते हैं।

राष्ट्रपति भवन में हुई मुलाकात के दौरान दोनों नेताओं ने विकास के क्षेत्र में सहयोग की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया। मुलाकात के दौरान दोनों ने औपचारिक रूप से एक-दूसरे का अभिवादन किया और विकास से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की।

मध्य प्रदेश में 30 आदिवासी बच्चों की मौत के विरोध में आदिवासी कांग्रेस ने दिया धरना

रांची, (एजेंसी) : प्रदेश आदिवासी कांग्रेस ने लोकभवन के पास नागा बाबा खटाल के समक्ष गुरुवार को बालाघाट में 30 आदिवासी बच्चों की मौत को लेकर धरना दिया।इसके बाद प्रदेश आदिवासी कांग्रेस के अध्यक्ष राज उरांव ने मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले में विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह के लगभग 30 बच्चों की मौत को लेकर झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार को ज्ञापन सौंपा। साथ ही अनुरोध किया कि मध्य प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ल का इस्तीफा दें और राज्य सरकार की जवाबदेही तय हो।राज उरांव ने कहा कि मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले के बिरसा और बैहर विकासखंड के सुदूर आदिवासी गांवों में जून 2026 से विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह बैगा समुदाय एवं गोंड समुदाय के बच्चों में बीमारी और मौत हो गई। स्थानीय रिपोर्ट, जनप्रतिनिधियों और समाचार माध्यमों के अनुसार शुरूआती लक्षणों में तेज बुखार, दाने, आंखों में सूजन, श्वसन संबंधी तकलीफ, दस्त और त्वचा संक्रमण

शामिल थे।उन्होंने कहा कि यह कोई एक रहस्यमय बीमारी नहीं, बल्कि स्वास्थ्य व्यवस्था की घोर उपेक्षा का परिणाम है।सुदूर वन क्षेत्रों में स्वास्थ्य केंद्रों की दूरी, खसरा टीकाकरण में कमी, आशा/एएनएम पदों का खाली रहना, पोषण सेवाओं की दुर्बलता और समय पर उपचार न मिल पाना ये तथ्य स्पष्ट करते हैं कि मध्य प्रदेश का स्वास्थ्य विभाग और राज्य सरकार आदिवासी बच्चों की जान बचाने में विफल रही। विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह के बच्चे संविधान, जनजातीय अधिकारों एवं प्रधानमंत्री जनमन जैसी योजनाओं के बावजूद सबसे असुरक्षित सिद्ध हुए।झारखंड प्रदेश आदिवासी कांग्रेस ने इसे मध्य प्रदेश सरकार की विफलता बताया। साथ ही कहा कि मध्य प्रदेश के उपमुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ल विभाग के शीर्ष जिम्मेदार मंत्री हैं। स्वास्थ्य तंत्र की निगरानी, टीकाकरण, मलेरिया नियंत्रण, कुपोषण प्रबंधन और आपातकालीन चिकित्सा प्रतिक्रिया उनके विभाग के दायित्व है। इसलिए नैतिक और प्रशासनिक जवाबदेही के तहत स्वास्थ्य मंत्री/उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल को पद से तुरंत इस्तीफे की मांग की।प्रदेश आदिवासी कांग्रेस ने मांग की है कि प्रत्येक मृतक बच्चे के परिवार को न्यूनतम एक करोड़ रुपये का मुआवजा और परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाए।

बिहार: एक-दूसरे को डूबने से बचाने के प्रयास में 5 की मौत, मरने वालों में एक ही परिवार के 4 सदस्य

भागलपुर, (एजेंसी) : गंगा के लगातार बढ़ते जलस्तर के कारण भागलपुर जिले में बाढ़ की स्थिति बेहद भयावह हो चुकी है। गुरुवार को बाईपास थाना क्षेत्र के कोयली खुटहा गांव में बाढ़ के गहरे पानी में डूबने से पांच लोगों की मौत हो गई। हादसे के बाद से पूरे गांव में मातमी सन्नाटा पसरा हुआ है। प्रत्यक्षदर्शियों और ग्रामीणों के अनुसार, पीड़ित परिवार के सदस्य अपने खेत की ओर जा रहे थे। बाढ़ के कारण सड़क पूरी तरह जलमग्न थी। इसी दौरान पैर फिसलने या गहराई का अंदाजा न मिलने के कारण परिवार का एक सदस्य गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा। उसे बचाने के लिए बाकी लोग भी एक-दूसरे का हाथ पकड़ कर पानी में उतर गए। देखते ही देखते, एक-दूसरे को बचाने की कोशिश में पांचों लोग गहरे पानी की चपेट में आ गए और डूब गए।

स्थानीय ग्रामीणों ने बिना वक्त गंवाए तत्परता दिखाई और भारी मशक्कत के बाद सभी को पानी

से बाहर निकाला। आनन-फानन में सभी को मायागंज अस्पताल ले जाया गया। हालांकि, अस्पताल पहुंचते ही डॉक्टरों ने पांचों लोगों को मृत घोषित कर दिया। मृतकों में मंचों देवी, सोनाक्षी कुमारी, प्रिंस कुमार, अभिषेक कुमार और अंशु प्रिया के रूप में की गई है।

हादसे में एक अन्य व्यक्ति की हालत बेहद गंभीर बनी हुई है, जिसका इलाज मायागंज अस्पताल में चल रहा है। एक साथ पांच शवों के अस्पताल पहुंचते ही परिजनों के करुण क्रंदन से पूरा अस्पताल परिसर गूंज उठा। घटना की जानकारी मिलते ही बाईपास थाना पुलिस बल के साथ मायागंज अस्पताल पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू की।

स्थानीय पंचायत के मुखिया और थानाध्यक्ष ने पीड़ित परिवार से मिलकर उन्हें सांत्वना दी। ग्रामीणों में इस घटना को लेकर गहरा आक्रोश और दुख है। लोगों का कहना है कि सड़कों पर बाढ़ का पानी जमा होने के कारण गड्ढों और नालों की गहराई का पता नहीं चल पा रहा है, जिससे लगातार हादसे की आशंका बनी रहती है।

ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि सभी जलजमाव वाले और खतरनाक स्थानों पर तुरंत बैरिकेडिंग की जाए, सुरक्षाकर्मियों की तैनाती हो और लोगों को सतर्क करने के लिए चेतावनी बोर्ड लगाए जाएं।

आपदा प्रबंधन में अब जनहानि रोकना प्राथमिकता, आपदा रोधी गांव और शहर बनाएं : अमित शाह

नई दिल्ली, (एजेंसी) : केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 12 वर्षों में देश के आपदा प्रबंधन के दृष्टिकोण और कार्यप्रणाली में आमूल-चूल परिवर्तन आया है। पहले आपदा को केवल राहत और पुनर्वास के नजरिये से देखा जाता था लेकिन अब जोखिम न्यूनीकरण, पूर्व चेतावनी प्रणाली और जनहानि रोकने के लक्ष्य के साथ देश एक नए दौर में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार का लक्ष्य आपदा रोधी गांव और आपदा रोधी शहर बनाना है और इसे प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाना है।शाह ने नई दिल्ली में राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (एनआईडीएम) के संस्थान निकाय की तीसरी बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि देश ने कई आपदाओं का सफलतापूर्वक इस तरह सामना किया है कि बड़ी जनहानि नहीं हुई। जनहानि रोकने का लक्ष्य केवल आपदा आने के बाद राहत एवं बचाव तक सीमित नहीं होना चाहिए बल्कि आपदा को घटित होने से रोकने के उपायों पर भी ध्यान देना होगा।गृहमंत्री ने कहा कि आपदा प्रबंधन में सरकार के सभी विभागों को मिलकर काम करने की सम्पूर्ण

सरकार की कार्यप्रणाली को और मजबूत करना होगा। उन्होंने सभी हितधारकों को अपने-अपने विभागों में एजेंडे के क्रियान्वयन के लिए एक केंद्रित प्रकोष्ठ गठित करने और विभाग प्रमुखों को कम से कम तीन माह में एक बार इसकी समीक्षा बैठक करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण, जोखिम न्यूनीकरण, लचीलापन और व्यापक राष्ट्रीय दृष्टिकोण के कारण भारत धीरे-धीरे दुनिया में आपदा प्रबंधन का आदर्श मॉडल बन रहा है। वैश्विक तापमान वृद्धि और जलवायु परिवर्तन के कारण आने वाले समय में आपदाओं की संख्या बढ़ने की संभावना है। विज्ञान के नए प्रयोगों से नई तरह की आपदाएं भी सामने आ सकती हैं, जिससे एनआईडीएम और राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) की भूमिका और महत्वपूर्ण होगी।

शाह ने एनआईडीएम को अनुसंधान, नवाचार, नीति सहयोग, प्रशिक्षण और विभागीय समन्वय का राष्ट्रीय केंद्र बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि एनआईडीएम और एनडीएमए दुनिया में हो रहे शोध का अध्ययन कर उसके निष्कर्षों को भारतीय परिस्थितियों के अनुरूप लागू करें। प्रत्येक आपदा के बाद दोनों संस्थानों की संयुक्त टीम गठित कर राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) और राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) को भी इसमें शामिल किया जाए। टीम क्षति के कारणों का अध्ययन कर विस्तृत रिपोर्ट तैयार करे।

शाह ने बताया कि मोदी सरकार में राज्य आपदा मोचन निधि में लगभग चार गुना और राष्ट्रीय आपदा मोचन कोष में लगभग तीन गुना वृद्धि हुई है। पिछले 11 वर्षों में आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में करीब ढाई लाख करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं।

गृह मंत्री ने आपदा प्रबंधन से जुड़े मोबाइल अनुप्रयोगों को प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च शिक्षा तक पहुंचाने तथा प्रशिक्षण एवं दिशा-निर्देशों को धरातल पर प्रभावी ढंग से लागू करने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि ज्ञान को क्षमता, क्षमता को तैयारी और तैयारी को परिणाम में बदलकर जनहानि रोकने का लक्ष्य हासिल करना होगा।

झारखंड में जर्मनी-ओमान से स्वास्थ्य तकनीक समझौता जल्द : इरफान

रांची, (एजेंसी) : स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने कहा है कि ओमान के साथ स्वास्थ्य एवं मेडिकल क्षेत्र में जल्द टाई-अप किया जाएगा। ओमान में विकसित आधुनिक कैंसर दवाइयों और उपचार तकनीक को झारखंड तक लाने की संभावनाओं पर भी खास बातचीत हुई है। स्वास्थ्य मंत्री गुरूवार को नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम में हिस्सा लेने के बाद जारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से जानकारी दी।उन्होंने बताया कि 32 देशों के प्रतिनिधियों ने अत्याधुनिक चिकित्सा तकनीक, मेडिकल उपकरण, नई दवाइयों और डिजिटल हेल्थ से जुड़ी तकनीकों का प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि कैंसर मरीजों को बेहतर और आधुनिक उपचार उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। जर्मनी की सीमेंस के साथ रोबोटिक टेक्नोलॉजी और आधुनिक चिकित्सा उपकरणों को लेकर विशेष स्तर पर बातचीत की जाएगी।

जनवरी में इस दिशा में महत्वपूर्ण चर्चा प्रस्तावित है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि राज्य की पुरानी स्वास्थ्य व्यवस्था में आमूलचूल बदलाव कर आधुनिक तकनीक, नई दवाइयों और बेहतर उपचार सुविधाओं को शामिल करना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। दुनिया में उपलब्ध बेहतर चिकित्सा तकनीक को झारखंड तक लाने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सहयोग की संभावनाएं तलाश की जा रही हैं।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि सरकारी अस्पतालों में एआई, रोबोटिक सर्जरी, आधुनिक इमेजिंग सिस्टम, डिजिटल हेल्थ और अत्याधुनिक डायग्नोस्टिक सुविधाएं मजबूत की जाएंगी। उन्होंने कहा कि उनका लक्ष्य आलोचनाओं का जवाब देना नहीं, बल्कि लोगों की जान बचाना और मरीजों को समय पर बेहतर इलाज उपलब्ध कराना है। उन्होंने झारखंड में मेडिकल एंड हेल्थ टेक्नॉलोजी कॉन्क्लेव आयोजित करने की बात कही।इसमें देश-विदेश की मेडिकल कंपनियों, डॉक्टरों और विशेषज्ञों को आमंत्रित किया जाएगा।

इस अवसर पर उप सचिव नेहा अरोड़ा, सचिव शशि प्रकाश सिंह, रितु सहाय सहित अन्य मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

डायन-बिसाही के आरोप में महिला से मारपीट, चार आरोपित गिरफ्तार

पश्चिमी सिंहभूम, (एजेंसी) : जिले के चक्रधरपुर थाना क्षेत्र में डायन-बिसाही के आरोप में 65 वर्षीय महिला के साथ मारपीट करने के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चार आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है। घटना दलकी-02 गांव की बतायी गयी है। पीड़िता ने आरोप लगाया था कि डायन-बिसाही के संदेह में उसके साथ मारपीट की गई।

पीड़िता के आवेदन के आधार पर चक्रधरपुर थाना में 09 सितंबर को मामला दर्ज किया गया। प्राथमिकी दर्ज होने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू करते हुए आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई तेज कर दी। पुलिस टीम ने चारों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार आरोपितों में चिकनी मुंडारी, नीलू मुंडारी, भाया मुंडारी और मोटू उरांव उर्फ राजू उरांव शामिल हैं। पुलिस के अनुसार पूछताछ के दौरान आरोपितों ने घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है।

गिरफ्तारी के बाद सभी आरोपितों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

गुरुवार को चक्रधरपुर के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी डॉ सैयद मुस्तफा हाशमी ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि अंधविश्वास के नाम पर किसी व्यक्ति के साथ हिंसा बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में पुलिस सख्त कार्रवाई करेगी। कार्रवाई में थाना प्रभारी अवधेश कुमार सहित अन्य पुलिस पदाधिकारियों की भूमिका रही।ह्व

सदर अस्पताल में मंच ने दिया 06 सीलिंग पंखा

रामगढ़, (एजेंसी) : सदर अस्पताल में इलाजरत मरीजों और उनके परिजनों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए जवाहर बाल मंच झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी की ओर से 06 सीलिंग पंखे दिए गए। मंच के स्टेट चेयरमैन तारिक अनवर की पहल पर अस्पताल को ये पंखे उपलब्ध कराए गए हैं। इस पहल का उद्देश्य अस्पताल में भर्ती मरीजों और उनके साथ रहने वाले परिजनों को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराना है। पंखों को अस्पताल के आवश्यक वार्डों में लगाया जाएगा, जिससे मरीजों को गर्मी एवं उमस से राहत मिल सके।

जवाहर बाल मंच की ओर से अस्पताल प्रशासन को उपलब्ध कराए गए 06 सीलिंग पंखों को जनहित की दिशा में एक उपयोगी पहल माना जा रहा है। मंच के स्टेट चेयरमैन तारिक अनवर ने कहा कि मरीजों की सुविधा और जरूरतमंद लोगों की मदद के लिए सामाजिक स्तर पर लगातार प्रयास किए जाने चाहिए। अस्पताल में बुनियादी सुविधाओं को बेहतर बनाने में सामाजिक संगठनों की भागीदारी को महत्वपूर्ण बताते हुए उन्होंने कहा कि ऐसे छोटे-छोटे प्रयास मरीजों के लिए बड़ी राहत का माध्यम बन सकते हैं।

कर्मा पूजा पर महिलाओं ने उठाई नशामुक्त समाज की आवाज, निकाली जागरूकता रैली

रामगढ़, (एजेंसी) : कर्मा पूजा को नशामुक्त और शांतिपूर्ण तरीके से मनाने के उद्देश्य से गुरुवार को वार्ड नंबर-6 स्थित जारा टोला में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं को नशामुक्त समाज निर्माण का संकल्प दिलाया गया। इसके बाद महिलाओं ने क्षेत्र में जागरूकता रैली निकालकर लोगों से पर्व-त्योहारों के दौरान शराब सहित अन्य नशीले पदार्थों से दूर रहने की अपील की। कार्यक्रम की अध्यक्षता रवि मुंडा ने की, जबकि संचालन सीमा सिंह ने किया। मुख्य अतिथि के रूप में ज्ञान महिला समिति के संस्थापक विनोद जायसवाल उपस्थित थे।विनोद जायसवाल ने कहा कि कर्मा पूजा के बाद दुर्गा पूजा, विश्वकर्मा पूजा, दीपावली और छठ जैसे प्रमुख त्योहार आने वाले हैं। पर्व-त्योहारों के दौरान शराब के सेवन से सड़क दुर्घटनाओं, घरेलू विवाद और पारिवारिक कलह की घटनाएं बढ़ने की आशंका रहती है। ऐसे में महिलाओं को नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए आगे आना होगा। उन्होंने कहा कि नशामुक्त माहौल में ही त्योहारों की खुशियां सही मायने में परिवार और समाज तक पहुंच सकती हैं। उन्होंने युवाओं से नशे से दूरी बनाकर योग, मॉर्निंग वॉक और जिम जैसी स्वस्थ गतिविधियों से जुड़ने की अपील की।समाजसेवी रवि मुंडा ने कहा कि नशा व्यक्ति के साथ-साथ पूरे परिवार और समाज को बबार्दी की ओर ले जाता है। उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि वे भी पहले शराब का सेवन करते थे, जिसके कारण उनके पारिवारिक जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा। अब उन्होंने शराब से पूरी तरह दूर रहने का संकल्प लिया है और युवाओं को भी नशामुक्त जीवन अपनाने के लिए प्रेरित किया।जागरूकता रैली में शामिल महिलाओं ने कर्मा पूजा सहित आगामी सभी पर्व-त्योहारों को नशामुक्त वातावरण में मनाने का संकल्प लिया। साथ ही बरसात के मौसम में स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के प्रति भी लोगों को जागरूक किया गया।

कारखाने में सुरक्षा के मुद्दे पर पूर्व विधायक ने दिया धरना

रामगढ़, (एजेंसी) : जिले के औद्योगिक प्रतिष्ठानों और कारखाने में लगातार हो रही दुर्घटनाओं में मजदूरों की मौत हो रही है। सुरक्षा के मुद्दे पर पूर्व विधायक शंकर चौधरी गुरुवार को समाहरणालय के सिढियों पर ही धरने पर बैठ गए। उन्होंने कारखाने में श्रमिकों की सुरक्षा और प्रशासनिक निगरानी की पूरी जानकारी उपलब्ध कराने की मांग की।उन्होंने कहा कि 06 अप्रैल 2026 से 21 अगस्त 2026 तक तीन बड़ी घटनाएं हुई। कारखाने में 09 श्रमिकों की जान चली गई। 14 मजदूर गंभीर रूप से घायल हुए और 02 मजदूर आजीवन अपंग हो गए। जिला प्रशासन की जांच समितियों ने क्या रिपोर्ट सौंपी और सुरक्षा के मुद्दे पर प्रशासन की क्या निगरानी है। इस पर उन्होंने पूरी रिपोर्ट मांगी। उन्होंने श्रीराम पावर एंड स्टील प्लांट, झारखंड इस्पात प्राइवेट लिमिटेड, मां छिन्नमस्तिका आयरन एंड स्पंज प्लांट में हुई दुर्घटनाओं पर उन्होंने पूरी रिपोर्ट मांगी।

अवैध मिनी गन फैक्ट्री का भंडाफोड, एक गिरफ्तार

दुमका, (एजेंसी) : जिले के हंसडीहा पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते अवैध मिनी गन फैक्ट्री का भंडाफोड़ करते हुए एक को गिरफ्तार कर जेल भेज दी है। गिरफ्तार आरोपित का नाम अक्षय कुमार है। पुलिस छापेमारी और जब्ती की कार्रवाई रामगढ़ मोड़ स्थित रेलवे ओवरब्रिज के समीप संचालित अवैध मिनी गन फैक्ट्री से की।

छापेमारी के दौरान पुलिस ने हथियार निर्माण में प्रयुक्त 55 प्रकार मशीनें और अन्य उपकरण बरामद कर फैक्ट्री को सील कर दिया। इसकी जानकारी गुरुवार को प्रेसवार्ता कर थाना प्रभारी अजीत कुमार ने दिया। उन्होंने बताया कि करीब दो माह से अवैध मिनी गन फैक्ट्री चल रहा था। मामले में छापेमारी कर विभिन्न समाग्री जब्त करते हुए पांच नामजद को आरोपित बनाया गया हैं। जिसमे से एक नामजद को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया हैं।

जानकारी के अनुसार, कुछ दिन पूर्व कोलकाता एसटीएफ ने दो हथियार तस्करों को गिरफ्तार किया था। पूछताछ में तस्करों ने खुलासा किया कि हंसडीहा में अवैध रूप से पिस्टल और देशी तमंचों का निर्माण किया जा रहा है। इसके बाद कोलकाता एसटीएफ ने झारखंड पुलिस को इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही दुमका पुलिस सक्रिय हुई और संदिग्ध मकान की चारों ओर से घेराबंदी कर छापेमारी की। पुलिस जब मकान के अंदर पहुंची तो वहां का नजारा देखकर अधिकारी भी हैरान रह गए।

मकान के भीतर हथियार निर्माण का पूरा सेटअप तैयार था। मौके से लेथ मशीन समेत कई ऐसे उपकरण बरामद किए गए जिनका उपयोग अवैध हथियार बनाने में किया जाता था। मौके पर एसपी पीतांबर सिंह खेरवार देर शाम हंसडीहा पहुंच बरामद मिनी गन फैक्ट्री का बारीकी से निरीक्षण किया। इस दौरान हंसडीहा सर्किल इंस्पेक्टर प्रियंका आनंद, थाना प्रभारी अजीत यादव, सरैयाहाट थाना प्रभारी अनुज कुमार, रामगढ़ थाना प्रभारी मनीष कुमार, जामा थाना प्रभारी अजीत कुमार तथा कोलकाता एसटीएफ की टीम मौजूद रही।

मामले में एसपी पीतांबर सिंह खेरवार ने बताया कि पुलिस को हंसडीहा में अवैध हथियार निर्माण की सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर छापेमारी की गई, जहां हथियार बनाने के लिए लगाई गई लेथ मशीन सहित कई उपकरण बरामद हुए हैं। उन्होंने कहा कि कोलकाता एसटीएफ की ओर से पकड़े गए कुछ लोगों से पूछताछ के बाद हंसडीहा में अवैध हथियार फैक्ट्री संचालित होने की जानकारी मिली थी। मामले में आगे की जांच जारी है।

सिविल सर्जन ने किया रक्तदान, स्वास्थ्य विभाग के कर्मियों ने भी बढ़ाया मदद का हाथ

रामगढ़,(एजेंसी) : सिविल सर्जन कार्यालय के प्रांगण में गुरुवार को स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। शिविर में सबसे पहले स्वयं सिविल सर्जन डॉ अनिल कुमार रक्तदान के लिए आगे आए। उनके इस कदम से प्रेरित होकर कार्यालय के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं स्वास्थ्य कर्मियों ने भी उत्साहपूर्वक रक्तदान किया।

सिविल सर्जन डॉ अनिल कुमार ने कहा कि एक यूनिट रक्त किसी जरूरतमंद मरीज के लिए जीवन की उम्मीद बन सकता है। उन्होंने कहा कि रक्तदान केवल सामाजिक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि मानवता की सेवा का महत्वपूर्ण माध्यम है। स्वास्थ्य विभाग के कर्मियों ने स्वयं रक्तदान कर लोगों को जागरूक करने का प्रयास किया गया है, ताकि अधिक से अधिक स्वस्थ लोग रक्तदान के लिए आगे आएं।

शिविर में क्षेत्रीय समन्वयक आईईसी सुनील कुमार मधुकर, स्टोर इंचार्ज आशीष कुमार सिन्हा, डीडीएम सुकांत पांडेय, संदीप कुमार एवं लिपिक अरविंद कुमार सहित अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया।

शिविर के माध्यम से लोगों को रक्तदान के प्रति जागरूक करते हुए स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने कहा कि स्वस्थ व्यक्ति रक्तदान को लेकर फैले अनावश्यक भ्रम से दूर रहें और जरूरतमंदों की मदद के लिए आगे आएं। दुर्घटनाओं, प्रसव, ऑपरेशन और गंभीर बीमारियों के दौरान रक्त की तत्काल आवश्यकता पड़ती है। ऐसे समय में उपलब्ध रक्त किसी मरीज के लिए जीवनदायी साबित हो सकता है।

शिविर में सिविल सर्जन डॉ अनिल कुमार ने रक्तदान करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। उन्होंने सभी रक्तदाताओं के मानवीय योगदान की सराहना करते हुए कहा कि समाज में रक्तदान की संस्कृति को मजबूत करने के लिए इस तरह के जागरूकता प्रयास लगातार जारी रहना चाहिए।

झोलाछाप डॉक्टर पर लापरवाही का आरोप, इंजेक्शन देने के बाद बच्चे की मौत

पलामू, (एजेंसी) : जिले के चैनपुर थाना क्षेत्र के कटुवल गांव में गुरुवार को इलाज के दौरान दो वर्षीय बच्चे की मौत हो गई। मृतक की पहचान जितेंद्र चौधरी के पुत्र रितेश कुमार के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार, बुखार होने पर रितेश को गांव के कथित झोलाछाप डॉक्टर आशिफ के पास इलाज के लिए ले जाया गया था।

आरोप है कि इंजेक्शन देने के बाद बच्चे की तबीयत बिगड़ गई और उसकी मौत हो गई। इसके बाद डॉक्टर ने आनन-फानन में बच्चे को मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

बच्चे के दादा ने बताया कि पिछले दो-तीन दिनों से बच्चे को लगातार बुखार हो रहा था। शुरूआत में परिजनों ने घर पर ही उसका इलाज कराया, लेकिन बुखार ठीक नहीं होने पर बच्चे को पथरा गांव निवासी मोहम्मद आसिफ के पास इलाज के लिए ले जाया गया। परिजनों का आरोप है कि कथित डॉक्टर ने बच्चे को इंजेक्शन लगाया। इंजेक्शन देने के कुछ ही देर बाद बच्चे की हालत बिगड़ने लगी। इलाज के लिए लेकर एमएमसीएच पहुंचे यहां उसे मृत घोषित कर दिया गया।

सूचना पर अस्पताल पुलिस चौकी की पुलिस ने परिजनों से घटना की जानकारी ली। खबर लिखे जाने तक परिजनों ने थाने में लिखित शिकायत नहीं दी थी। मामले में पुलिस आगे की प्रक्रिया में जुटी है।

कंडा पैक्स में 13.87 लाख के धान घोटाले का खुलासा, कंप्यूटर ऑपरेटर गिरफ्तार

पलामू, (एजेंसी) : पलामू जिले के नावाबाजार प्रखंड के कंडा पैक्स में धान खरीद के नाम पर करीब 13.87 लाख रुपये के घोटाले का मामला सामने आया है। पुलिस अनुसंधान में धान खरीद से जुड़ी गड़बड़ी का मुख्य आरोपित पैक्स का कंप्यूटर ऑपरेटर राहुल गुप्ता सामने आया है। एफआईआर दर्ज होने के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए राहुल गुप्ता को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

पुलिस के अनुसार, कंप्यूटर ऑपरेटर ने कथित तौर पर फर्जी आईडी बनाकर धान की खरीद दिखाई और उसका भुगतान दूसरे खातों में कराया। जांच में यह भी सामने आया है कि फर्जी तरीके से किए गए भुगतान में राहुल की पत्नी और मां के बैंक खातों का भी इस्तेमाल किया गया।

कंडा पैक्स के माध्यम से करीब छह हजार क्विंटल धान की खरीद दिखाई गई थी। पहले चरण में सरकार की ओर से करीब चार हजार क्विंटल धान का भुगतान भी किया जा चुका था। इसके बाद किसानों ने अपनी बकाया राशि के भुगतान के लिए पैक्स पर दबाव बनाना शुरू किया। इसी दौरान धान खरीद और स्टॉक की जांच की गई तो कथित अनियमितताओं का खुलासा हुआ।

जांच में पाया गया कि कागजों पर करीब छह हजार क्विंटल धान की खरीद दर्ज है, जबकि पैक्स के पास करीब 5,500 क्विंटल धान का ही हिसाब उपलब्ध है। करीब 500 क्विंटल धान फर्जी आईडी के माध्यम से खरीदा हुआ दिखाया गया, लेकिन यह धान पैक्स के गोदाम तक पहुंचा ही नहीं। इसके बावजूद करीब 13.87 लाख रुपये का भुगतान कर दिया गया।

धान खरीद में गड़बड़ी सामने आने के बाद कंडा पैक्स अध्यक्ष प्रभुनारायण सिंह ने नावाबाजार थाना में एफआईआर दर्ज कराई थी। एफआईआर के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। अनुसंधान के दौरान पुलिस को फर्जी आईडी, भुगतान और धान के स्टॉक में अंतर से जुड़े कई तथ्य मिले।

नावाबाजार थाना प्रभारी संजय कुमार यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच में कंप्यूटर ऑपरेटर राहुल गुप्ता और उसके एक दोस्त की भूमिका सामने आई है। दोनों को मामले का मास्टरमाइंड माना जा रहा है। राहुल गुप्ता को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है, जबकि पूरे मामले की जांच अभी जारी है। पुलिस अन्य लोगों की भूमिका और पैसों के लेनदेन की भी जांच कर रही है।

रामगढ़ महाविद्यालय में प्रेमचंद के साहित्य और लेखन शैली पर शोध विमर्श

रामगढ़, (एजेंसी) : रामगढ़ महाविद्यालय में गुरुवार को बहुविषयक शोध विमर्श की साप्ताहिक श्रृंखला ह्यप्रमाह्ण की आठवीं कड़ी के तहत प्रेमचंद की लेखन शैली पर विशेष शोध प्रस्तुति आयोजित की गई। कार्यक्रम में उर्दू विभागाध्यक्ष सह असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ शाहनवाज खान ने पीपीटी के माध्यम से स्मार्ट बोर्ड पर ह्यप्रेमचंद की लेखन-शैलीह्ण विषय पर अपने शोध विचार प्रस्तुत किए। कार्यक्रम की शुरूआत मुंशी प्रेमचंद की तस्वीर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ बिमल कुमार मिश्रा ने माल्यार्पण और पुष्प अर्पित कर किया। इस दौरान प्रेमचंद के साहित्य की प्रासंगिकता और उनके मानवीय सरोकारों पर चर्चा हुई।

प्राचार्य डॉ बिमल कुमार मिश्रा ने कहा कि प्रेमचंद की रचनाएं आज भी उतनी ही प्रासंगिक हैं, जितनी अपने समय में थीं। उनकी कहानियों में आम जनजीवन की भावनाओं, परिस्थितियों और समस्याओं का जीवंत चित्रण मिलता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान मशीनीकरण के दौर में पारिवारिक और मानवीय संवेदनाओं में कमी चिंता का विषय है। वृद्ध माता-पिता को वृद्धाश्रम में छोड़ने की प्रवृत्ति के संदर्भ में उन्होंने प्रेमचंद की कालजयी कहानी ह्यईदगाहह्ण का उदाहरण देते हुए कहा कि नन्हे हामिद द्वारा अपनी दादी अमीना के लिए चिमटा खरीदना त्याग, धैर्य और प्रेम का अत्यंत मार्मिक संदेश देता है।

डॉ शाहनवाज खान ने कहा कि प्रेमचंद हिंदी और उर्दू दोनों साहित्य के महत्वपूर्ण साहित्यकार थे और उर्दू के शुरूआती प्रमुख अफसाना निगारों में उनका विशिष्ट स्थान है। उन्होंने कहा कि प्रेमचंद की लेखन शैली ने ही उनके साहित्यिक संदेशों को प्रभावकारी बनाया। उन्होंने कहा कि प्रेमचंद ने जिन विषयों को अपनी रचनाओं का आधार बनाया, जिन सामाजिक परिस्थितियों का चित्रण किया और जिन संदेशों को समाज तक पहुंचाया, वे विषय अन्य कहानीकारों के साहित्य में भी दिखाई देते हैं। प्रेमचंद को विशिष्ट बनाने वाली सबसे बड़ी विशेषता उनकी प्रभावशाली और जनसरोकारों से जुड़ी लेखन शैली थी। इसी शैली ने उनके साहित्य को व्यापक पाठक वर्ग तक पहुंचाया और उन्हें श्रेष्ठ साहित्यकारों की अग्रिम पंक्ति में स्थापित किया।

जादूगोड़ा के जनजातीय मुद्दों पर एनसीएसटी सख्त, यूसीआईएल को 15 दिन में कार्रवाई रिपोर्ट सौंपने का निर्देश

पूर्वी सिंहभूम, (एजेंसी) : ।राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग की सदस्य डॉ आशा लकड़ा की अध्यक्षता में गुरुवार को जमशेदपुर स्थित यूरेनियम कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड की समीक्षा बैठक हुई। बैठक में जनजातीय समुदाय और यूसीआईएल में कार्यरत जनजातीय कर्मचारियों से जुड़े विभिन्न मामलों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को लंबित समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। बैठक में यूसीआईएल के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक डॉ के आनंद राव, निदेशक बीके दास सहित कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।बैठक से पहले डॉ आशा लकड़ा के नेतृत्व में आयोग के आठ सदस्यीय दल ने पूर्वी सिंहभूम के यूरेनियम प्रभावित जादूगोड़ा क्षेत्र के मेचुआ और इचरा सहित आसपास के गांवों का निरीक्षण किया। दल ने ग्रामीणों से बातचीत कर क्षेत्र की समस्याओं और उनकी मांगों की जानकारी ली। ग्रामीणों ने पेयजल, विद्यालयों में शिक्षकों की उपलब्धता, विस्थापित परिवारों को रोजगार और उचित मुआवजा और स्वास्थ्य सुविधाओं से संबंधित समस्याएं आयोग के समक्ष रखीं। आयोग ने इन मामलों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कदम उठाने को कहा। समीक्षा बैठक में यूसीआईएल के जनजातीय कर्मचारियों के लिए रोस्टर के अनुसार पदोन्नति, आवास और अन्य सेवा संबंधी मामलों पर भी चर्चा हुई। डॉ आशा लकड़ा ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जनजातीय कर्मचारियों से संबंधित मामलों का नियमों के अनुरूप समाधान किया जाए। उन्होंने जनजातीय समुदाय से जुड़े सभी लंबित विषयों में प्रभावी सुधारात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करने एवं आयोग के निदेशों का गंभीरता से अनुपालन करने को कहा।

कुलपति पर कार्रवाई के बाद छात्र संगठनों का जश्न, कुलसचिव के हटाने के फैसले का विरोध

पलामू, (एजेंसी) : नीलांबर-पीतांबर विश्वविद्यालय (एनपीयू) के कुलपति प्रो डॉ दिनेश कुमार सिंह के वित्तीय और प्रशासनिक अधिकारों पर रोक लगाए जाने के बाद विश्वविद्यालय परिसर का माहौल गरमा गया है। कार्रवाई के बाद छात्र संगठनों ने गुरुवार को पटाखे फोड़कर जश्न मनाया और इसे अपनी जीत बताया। वहीं, दूसरी ओर कुलसचिव डॉ नफीस अहमद को हटाए जाने के फैसले को लेकर छात्र संगठनों ने विरोध जताया। छात्र संगठनों का आरोप है कि कुलपति के वित्तीय और प्रशासनिक अधिकारों पर रोक लगाए जाने के बाद रात्रि में कुलसचिव को हटाने संबंधी पत्र जारी किया गया और नए कुलसचिव की नियुक्ति कर दी गई। संगठनों ने इस निर्णय की प्रक्रिया और अधिकार को लेकर सवाल खड़े किए हैं। छात्र नेताओं ने कहा कि विश्वविद्यालय में लंबे समय से छात्रों से जुड़े कई मामलों को लेकर सवाल उठते रहे हैं। ऐसे में कुलपति पर हुई कार्रवाई के बाद छात्रों में खुशी का माहौल है।

विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस पर जागरूकता बढ़ाने पर जोर

खूंटी , (एजेंसी) : विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस के अवसर पर गुरुवार को खूंटी जिले में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम में सिविल सर्जन डॉ ललित रंजन पाठक की अध्यक्षता में परिचर्चा हुई, जिसमें जिला आरसीएच पदाधिकारी सहित स्वास्थ्य विभाग के कर्मियों ने सक्रिय भागीदारी निभाई।परिचर्चा के दौरान आत्महत्या जैसे गंभीर सामाजिक मुद्दे पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। प्रतिभागियों ने इस समस्या के विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार साझा करते हुए इसके प्रभावी समाधान और रोकथाम के उपायों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि मानसिक और भावनात्मक परेशानियों से जूझ रहे लोगों की समय पर पहचान कर उन्हें उचित सहयोग और आवश्यक परामर्श उपलब्ध कराना महत्वपूर्ण है।

कार्यक्रम में विशेष रूप से किशोर-किशोरियों और आम लोगों के बीच जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया गया। स्वास्थ्य कर्मियों ने कहा कि परिवार, विद्यालय, समुदाय और स्वास्थ्य व्यवस्था की संयुक्त भूमिका से लोगों को मानसिक परेशानियों के प्रति संवेदनशील बनाया जा सकता है। साथ ही जरूरतमंद लोगों को समय पर सहायता उपलब्ध कराने के लिए सकारात्मक और सहयोगात्मक माहौल तैयार करने पर जोर दिया गया।सिविल सर्जन डॉ पाठक ने कहा कि आत्महत्या की रोकथाम केवल स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि इसके लिए समाज के सभी वर्गों को मिलकर प्रयास करने की आवश्यकता है। उन्होंने स्वास्थ्य कार्यकताओं से लोगों के बीच जागरूकता फैलाने और जरूरतमंद व्यक्तियों तक सहायता और परामर्श की पहुंच सुनिश्चित करने की अपील की।

ट्रूथ पर्थ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक कुमार भारती के द्वारा डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, भास्कर प्रीटिंग प्रेस गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर के.जी. आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रिक एवं नियर भाटिया शिव मंदिर, गांधी नगर धनबाद से प्रकाशित फोन नं. 7004605076, 9852421580

संपादकः- रवि रंजन * इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं सम्पादन हेतु पी आर बी एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उतरदायी। ई. मेलः-truthpath941@gmail.com आर. एन. आई.नंबर .-JHAHIN/2023/90593

युवाओं का भविष्य बेच रही है हेमंत सरकारः भानु प्रताप शाही

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः जेपीएससी, सीजीएल और उत्पाद सिपाही भर्ती परीक्षा में कथित धांधली और भ्रष्टाचार के विरोध में गुरुवार को धनबाद में भाजपा ने जोरदार प्रदर्शन किया। राज्यव्यापी आंदोलन के तहत बड़ी संख्या में भाजपा नेता और कार्यकर्ता धनबाद समाहरणालय के समक्ष जुटे और हेमंत सोरेन सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं की सीबीआई जांच कराने और छात्रों पर दर्ज मुकदमों को वापस लेने की मांग की। इस दौरान भाजपा नेताओं ने सरकार पर युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने का आरोप लगाया।

प्रदर्शन के दौरान कार्यकताओं ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग उठाई। मौके पर भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष भानु प्रताप शाही ने हेमंत सोरेन सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार में ट्रांसफर-पोस्टिंग से लेकर नौकरियों तक में कथित तौर पर ह्यमेनू कार्डह्न चल रहा है और युवाओं का भविष्य बेचा जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि भर्ती के नाम पर साढ़े 10 हजार करोड़ रुपये की वसूली की गई है। साथ ही उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार बनने पर कथित भ्रष्टाचार में शामिल दोषियों को जेल भेजा जाएगा।

वहीं, धनबाद सांसद ढुल्लू महतो ने भी सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि सरकारी सीटें लाखों रुपये में बेची जा रही हैं। उन्होंने कहा कि मामले की निष्पक्ष जांच के लिए सीआईडी नहीं, बल्कि सीबीआई जांच जरूरी है। सांसद ने चेतावनी दी कि यदि राज्य सरकार सीबीआई जांच की अनुशंसा नहीं करती है, तो भाजपा अदालत का दरवाजा खटखटाएगी।

भाजपा नेताओं ने कहा कि युवाओं के अधिकार और भर्ती परीक्षाओं में पारदर्शिता के लिए पार्टी की लड़ाई जारी रहेगी। उन्होंने साफ किया कि जरूरत पड़ी तो यह आंदोलन सड़क से लेकर अदालत तक ले जाया जाएगा।

जेपीएससी, सीजीएल और उत्पाद सिपाही भर्ती परीक्षा में कथित धांधली और भ्रष्टाचार के विरोध में गुरुवार को धनबाद में भाजपा ने प्रदर्शन किया। डीसी ऑफिस का घेराव किया। राज्य सरकार के विरोध में नारेबाजी की। डीसी ऑफिस के मुख्य द्वार के बाहर धरना पर बैठे। नेताओं ने भाषणबाजी की। राज्य सरकार के पूर्व मंत्री भानुप्रताप शाही मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद थे। राज्यव्यापी आंदोलन के तहत बड़ी संख्या में भाजपा नेता और कार्यकर्ता धनबाद समाहरणालय के समक्ष जुटे और हेमंत सोरेन सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं की सीबीआई जांच कराने और छात्रों पर दर्ज मुकदमों को वापस लेने की मांग की। इस दौरान भाजपा नेताओं ने सरकार पर युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने का आरोप लगाया। धनबाद समाहरणालय के सामने आज भाजपा का विरोध प्रदर्शन देखने को मिला। जेपीएससी, सीजीएल और उत्पाद सिपाही भर्ती परीक्षा में कथित धांधली और भ्रष्टाचार के खिलाफ भाजपा कार्यकताओं ने राज्य सरकार के खिलाफ मोर्चा खोला। प्रदर्शन के दौरान कार्यकताओं ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग उठाई।

संक्षिप्त खबरें

आईआईटी धनबाद के दो छात्रों को आईएडीसी अकादमिक स्कॉलरशिप

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः आईआईटी आईएसएम धनबाद के पेट्रोलियम इंजीनियरिंग विभाग के दो बीटेक छात्रों प्रियंशी सक्सेना और अभिनव राज का चयन इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ ड्रिलिंग कॉन्ट्रैक्टर्स (आईएडीसी) अकादमिक स्कॉलरशिप 2026 के लिए हुआ है। दोनों छात्रों को 5,000 अमेरिकी डॉलर की स्कॉलरशिप प्रदान की जाएगी। प्रियंशी सक्सेना और अभिनव राज पेट्रोलियम इंजीनियरिंग में बीटेक की पढ़ाई कर रहे हैं। आईएडीसी की यह स्कॉलरशिप ड्रिलिंग और इससे जुड़े क्षेत्रों में पढ़ाई कर रहे होनहार छात्रों को प्रोत्साहित करने और उन्हें प्रोफेशनल करियर के लिए तैयार करने के उद्देश्य से दी जाती है। इस उपलब्धि पर आईआईटी (आईएसएम) के पेट्रोलियम इंजीनियरिंग विभाग ने दोनों छात्रों को बधाई दी। विभाग ने आईएडीसी का भी आभार जताया कि उसने प्रतिभाशाली छात्रों को पहचानने और उन्हें आगे बढ़ने का मौका दिया। इस उपलब्धि में आईएडीसी आईआईटी (आईएसएम) स्टूडेंट चैप्टर, एसपीई आईआईटी (आईएसएम) स्टूडेंट चैप्टर, एफआईपीआई आईआईटी (आईएसएम) स्टूडेंट चैप्टर और ऑफिस ऑफ एलुमनी अफेयर्स, आईआईटी (आईएसएम) धनबाद की भी भूमिका रही। यह उपलब्धि छात्रों को ग्लोबल एक्सपोजर और बेहतर प्रोफेशनल अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में संस्थान के प्रयासों को दशार्ती है।

धनबाद मंडल में चलाया गया मेगा टिकट चेकिंग अभियान

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः धनबाद मंडल में गुरुवार को बड़े पैमाना पर टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया. जांच अभियान में 536 यात्रियों को पकड़ा गया जिसमें बिना टिकट यात्रा कर रहे यात्री, बिना उचित प्राधिकार के यात्रा करने वाले यात्री, बिना बुक किये गए सामान के साथ यात्रा कर रहे यात्री शामिल थे इस दौरान उनसे 4,30,210 रुपए जुमार्ने के रूप में राशि प्राप्त की गई तथा पकड़ें गए यात्रियों को उचित टिकट के साथ यात्रा करने की कड़ी हिदायत दी गई चेकिंग टीमों द्वारा स्टेशनों एवं विभिन्न मेल/एक्स्प्रेस ट्रेनों में भी चेकिंग किया गया. धनबाद मंडल द्वारा निरंतर टिकट जांच किया जा रहा है तथा भविष्य में भी यह जारी रहेगा टिकट जांच अभियान के दौरान स्टेशनों के अनारक्षित टिकट काउंटर पर यात्रियों की काफी भीड़ देखी गई धनबाद मंडल, पूर्व मध्य रेल यात्रियों को उचित टिकट के साथ प्लेटफार्म में प्रवेश करने की सलाह देता है तथा यात्रियों के पास जिस श्रेणी का टिकट है उसी श्रेणी में यात्रा करने का अनुरोध करता है।

पीबी एरिया सभागार में राजभाषा कार्यशाला का आयोजन

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः बीसीसीएल पीबी एरिया के क्षेत्रीय सभागार में गुरुवार को एक दिवसीय राजभाषा हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन पीबी एरिया क्षेत्रीय प्रबंधक(मा/सं) अभिषेक राय, क्षेत्रीय प्रबंधक (प्रशासन) आशुतोष तिवारी,उप प्रबंधक सोनू कुमार,अनुवादक राजभाषा (कोयला भवन) बंदना कुमारी एवं कार्यालय अधीक्षक राजभाषा अयोध्या प्रसाद मिश्र ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यशाला में मुख्यालय से आये राजभाषा अनुवादक बंदना कुमारी ने अपने संबोधन में हिंदी मानक शब्दों कि विस्तृत जानकारी दी, साथ ही अपने कार्यों में अधिक से अधिक हिंदी के प्रयोग पर बल दिया। मौके पर अयोध्या मिश्र, जयप्रकाश सिंह, लक्ष्मण कुमार विश्वकर्मा, अर्जुन महतो, जगराज सिन्हा, संजय कुमार नोनिया, गनौरी पासवान, सपन कुमार उरांव, बेबी कुमारी, नीतू कुमारी, सोनम कुमारी, राजेश कुमार, नारायण साव, पूनम कुमारी, किया कुमारी, लक्ष्मण विश्वकर्मा, दुर्गेश कुमार सिंह, ओम प्रकाश राम, सुनील कुमार हरिजन, अनिल कुमार, रमेश कुमार,आदि मौजूद थे।

भादो अमावस्या पर कतरास काली मंदिर में हुई पूजा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादःकतरास बाजार हटिया में करीब 800 वर्ष पुराने काली मंदिर में गुरुवार को भादो अमावस्या की पूजा बड़े धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर मंदिर परिसर को रंग बिरंगी रोशनी और फूलों से आकर्षक ढंग से सजाया गया है। विशेष पूजा अर्चना की गई। भादौ अमावस्या पर पूजा-अर्चना करने के लिए मंदिर में श्रद्धालुओं का जुटान हुआ। पुजारी द्वारा विधि-विधान से पूजा, अर्चना और आरती के बाद भक्तों के बीच महाभंडारा एवं प्रसाद का वितरण किया गया। रात्रि में भक्तिमय वातावरण के लिए भक्ति जागरण का आयोजन किया गया। इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं शामिल हुए। मौके पर आयोजन कमेटी के सदस्य लखन कुमार राय, पोरेश कुमार दत्ता, सूरज चौरसिया, प्रियांशु चौरसिया, लक्ष्मण केशरी सहित अन्य व्यवस्था को संभालने में जुटे थे।

आईआईटी धनबाद में समर्थ्य एचआर कॉन्क्लेव का आयोजन

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः आईआईटी आईएसएम धनबाद के मैनेजमेंट स्टडीज एंड इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग विभाग की ओर से समर्थ्य 2026 एचआर कॉन्क्लेव का आयोजन किया गया। फ्यूचर वर्कफोर्स 2030ः बिल्डिंग एजाइल टैलेंट फॉर एन एआई-पावर्ड एंड सस्टेनेबल वर्ल्ड थीम पर आयोजित कॉन्क्लेव में विभिन्न कंपनियों के वरिष्ठ एचआर प्रोफेशनल्स, इंडस्ट्री लीडर्स, फैकल्टी मेंबर्स और छात्रों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम का आयोजन आईआईटी (आईएसएम) धनबाद के निदेशक प्रो. सुकुमार मिश्रा और मैनेजमेंट स्टडीज एंड इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग विभाग के एचओडी प्रो. संदीप मंडल के मार्गदर्शन में हुआ। कॉन्क्लेव में पैनल डिस्कशन के जरिए वर्कप्लेस में हो रहे बदलाव, कर्मचारी कल्याण, सस्टेनेबल परफॉर्मेंस, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के साथ काम करने, इनोवेशन और भविष्य के लीडर तैयार करने जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई। माइनिंग द ह्यूमन इक्वेशनः वर्क, वेल-बीइंग एंड सस्टेनेबल परफॉर्मेंस इन हाई-स्टेक्स एनवायरनमेंट्सह्व विषय पर पहले पैनल में टाइगर एनालिटिक्स के प्रियाकमेश कामत्ची, एइक्वस लिमिटेड के चीफ ह्यूमन रिसोर्सेज ऑफिसर कपिल महाजन, कोडिंगल के को-फाउंडर एवं चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर सत्यम बरनवाल और ईवाई के सीनियर कंसल्टेंट अब्दुल गनी शामिल हुए। दूसरे पैनल रीडिफाइनिंग वर्कः अनलॉकिंग इनोवेशन थ्रू ह्यूमन-एआई कोलैबोरेशन में ब्रिजस्टोन के विद्या सागर वेदना भटला, पाइन लैब्स की डायरेक्टर आकृति शर्मा, प्रोटिविटी के एसोसिएट डायरेक्टर संतोष कुमार पाढ़ी और आईआईटी (आईएसएम) की असिस्टेंट प्रोफेसर प्रो. अपर्णा कृष्णा ने विचार रखे। तीसरे पैनल फ्यूचर-रेडी लीडरशिपः प्रिपेयरिंग जेन-जी एंड मिलेनियल टैलेंट फॉर 2030 में सेंट्रिएंट फार्मास्यूटिकल्स के देवेश पी. श्रीवास्तव, जायडस के नितेश राज जायसवाल, इंफोसिस के शॉन शौर्य फ्रांसिस, ईवाई के सुब्रोजित सोम और आईआईटी (आईएसएम) की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. सबिता दत्ता शामिल हुए। कॉन्क्लेव में आदित्य बिड़ला कैपिटल समेत कई प्रमुख संस्थानों के प्रतिनिधियों ने भी हिस्सा लिया। चर्चा में इस बात पर जोर दिया गया कि भविष्य के वर्कफोर्स के लिए टेक्नोलॉजी, लगातार सीखने की क्षमता, एडेप्टेबिलिटी, कर्मचारी कल्याण और मानवीय क्षमताओं का बेहतर तालमेल जरूरी होगा। समर्थ्य 2026 ने आईआईटी (आईएसएम) धनबाद के इंडस्ट्री और एकेडमिक जगत के बीच सहयोग को और मजबूत किया।

शिव चर्चा में उमड़ा आस्था का सैलाब, किन्नर समाज ने की श्रद्धालुओं की सेवा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः जामाडोबा शास्त्री नगर स्थित किन्नर समाज की प्रदेश अध्यक्ष छमछम देवी के आवासीय परिसर में गुरुवार को भक्ति और आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिला। परिसर में आयोजित शिव चर्चा में दूर-दराज से पहुंचे किन्नर समाज के सदस्यों के साथ बड़ी संख्या में आम श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। हर-हर महादेव और भोलेनाथ के जयकारों से पूरा वातावरण शिवमय हो उठा। बीते बुधवार को परिसर में अखंड हरिकीर्तन का आयोजन किया गया था। गुरुवार को हरिकीर्तन की पूणार्हुति के अवसर पर विधिवि धान से शिव चर्चा, हवन-पूजन और आरती का आयोजन किया गया। पूजा-अर्चना के दौरान श्रद्धालुओं ने भगवान शिव की आराधना कर सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। वैदिक मंत्रोच्चार और हवन से पूरा परिसर भक्तिमय बना रहा। आरती के बाद श्रद्धालुओं के लिए भंडारे का आयोजन किया गया था, जहां सैकड़ों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। किन्नर समाज के सदस्यों ने श्रद्धालुओं की सेवा में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। दूरदराज से पहुंचे श्रद्धालुओं ने कहा कि इस तरह के धार्मिक आयोजन समाज में आपसी प्रेम, भाईचारे और सद्भाव की भावना को मजबूत करते हैं। कार्यक्रम में आए अतिथियों को अंग वस्त्र पहनाकर सम्मानित किया गया। मौके पर छमछम देवी,स्वेता किन्नर, बंसी किन्नर आदि थे।

गोधर में पीने के पानी का संकट, 10 हजार की आबादी परेशान

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः कुसुंडा झमाडा जलापूर्ति व्यवस्था चरमराने से गोधर क्षेत्र की कई बस्तियों में पेयजल संकट गहरा गया है। कुर्मीडीह बस्ती, 15 नंबर कॉलोनी, नई दिल्ली गोधर, गोधर चार नंबर समेत आसपास के कई इलाकों में एक पखवाड़े से नियमित जलापूर्ति नहीं हो रही है। पानी की समस्या से करीब 10 हजार की आबादी प्रभावित है। गुरुवार को इन इलाकों में महज दस मिनट जलापूर्ति की गई, लेकिन इतने कम समय में लोगों की जरूरत पूरी नहीं हो सकी। इससे ग्रामीणों में झमाडा के प्रति भारी आक्रोश है। ग्रामीणों का कहना है कि लंबे समय से पानी नहीं मिलने के कारण रोजमर्रा के कामकाज पर भी असर पड़ रहा है। कई परिवार दूर-दराज के क्षेत्रों से पानी ढोकर लाने को मजबूर हैं। पानी की कमी के कारण लोगों को बरसात का पानी जमा कर उसका इस्तेमाल करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि क्षेत्र में बड़ी संख्या में गरीब और मजदूर परिवार रहते हैं, जिनके लिए प्रतिदिन बाहर से पानी खरीदना संभव नहीं है। ऐसे में झमाडा की नियमित जलापूर्ति ही उनका मुख्य सहारा है। 16 इंच की पाइपलाइन फटने से बनी समस्या ग्रामीण नेता नंदलाल महतो ने बताया कि माडा के कुसुंडा जलागार से कुसुंडा स्टेशन स्थित भूली संप हाउस तक 18 इंच की पाइपलाइन के माध्यम से पानी पहुंचाया जाता है। भूली संप हाउस से 16 इंच की पाइपलाइन के जरिए बसेरिया, भूली, कुर्मीडीह समेत कई इलाकों में पानी की आपूर्ति की जाती है। करीब एक सप्ताह से भूली संप हाउस से निकलने वाली 16 इंच की पाइपलाइन क्षतिग्रस्त होकर फट गई है। इसके कारण इन क्षेत्रों में पानी की आपूर्ति पूरी तरह प्रभावित हो गई है। उन्होंने कहा कि एक ओर पाइपलाइन की खराबी से लोग परेशान हैं। वहीं दूसरी ओर केंदुआ में सड़क धंसने और भूस्खलन के कारण भी जलापूर्ति व्यवस्था बार-बार प्रभावित हो रही है। इस सम्बन्ध मे स्थानीय ग्रामीण नंदलाल महतो ने कहा की धनबाद-बोकारो मुख्य मार्ग (पुराना एनएच-32) के नीचे से जलापूर्ति की पाइपलाइन गुजरती है। सड़क धंसने और लगातार बारिश के कारण पाइपलाइन पर दबाव पड़ रहा है, जिससे पाइप क्षतिग्रस्त हो जाता है।

भादो आमावस्या पर महुदा बाजार दादी राणी सती मंदिर से कलश यात्रा निकाली गयी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः दादी सती मंदिर के 36वें वार्षिक महोत्सव के अवसर पर गुरुवार को महुदा बाजार स्थित राणी सती दादी मंदिर से मंगल कलश एवं शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा को लेकर पूरे बाजार में श्रद्धा और भक्ति का माहौल बना रहा। कलश पूजन के बाद मारवाड़ी समाज की 51 महिलाएं सिर पर मंगल कलश व हाथों में निशान लेकर शोभायात्रा में शामिल हुईं। इस दौरान जिप अध्यक्ष शारदा सिंह भी कलश यात्रा में शामिल हुई। यजमान के रूप में पूर्व मुखिया ममता देवी एवं उनके पति शंकर अग्रवाल मौजूद थे। राजस्थानी परिधान में सजी महिलाएं दो कतारों में चल रही थीं। वहीं समाज के लोग पगड़ी व दादी मां की चुनरी धारण कर लाल- पीली झंडियां लेकर शोभायात्रा में शामिल हुए। बैंड-बाजे और भजनों की धुन पर श्रद्धालु झूमतेथिरकते हुए महुदा बाजार, लालबंगला सहित विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण करते हुए मंदिर पहुंचे। इस दौरान दादी मां के जयकारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। शोभायात्रा में सजी आकर्षक झांकियां लोगों के आकर्षण का केंद्र रहीं। एक वाहन पर विभिन्न प्रकार के पुष्पों से राणी सती दादी का भव्य दरबार सजाया गया था। वहीं अन्य वाहनों पर शिव-पार्वती, राम दरबार एवं भगवान गणेश की मनमोहक झांकियां सजाई गई थीं। नगर भ्रमण के बाद श्रद्धालुओं ने दादी मां को कलश व निशान अर्पित किए। शाम को दादी मां का अलौकिक श्रृंगार कर भजन-कीर्तन के बीच ज्योति प्रज्वलित की गई। कार्यक्रम को सफल बनाने में पूर्व मुखिया ममता देवी, रेखा पटवारी, सुमन कामदार, सोनाली अग्रवाल, विश्वनाथ पटवारी, पंकज गोयल, मनोज सहरिया, सरवन गोयल, सुशील अग्रवाल, विकास अग्रवाल, अशोक पटवारी, राजेंद्र संगी, राजेंद्र कामदार, योगेश कामदार, मांगू लाल कामदार, गणेश प्रसाद संगी, दिनेश कुमार पटवारी, ओम प्रकाश पटवारी, सतनारायण पटवारी, गुड्डू सहरिया, राजेश अग्रवाल, पवन पंडित, विक्की अग्रवाल, बंदना गोयल, रिया गोयल, कविता देवी, प्रमोद पटवारी एवं सती मित्र मंडल के सदस्यों का सराहनीय योगदान रहा।

हिंदी दैनिक समाचार
ट्रूथ पथ

संक्षिप्त खबरें

सेवा संकल्प अभियान के राष्ट्रीय प्रभारी संजय जायसवाल का भाजपा प्रदेश कार्यालय में स्वागत

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची,: भाजपा के झारखंड प्रदेश मुख्यालय में गुरुवार को सेवा संकल्प अभियान के राष्ट्रीय प्रभारी और लोकसभा के मुख्य सचेतक संजय जायसवाल पहुंचे। प्रदेश कार्यालय पहुंचने पर उनका स्वागत किया गया। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने उनका गर्मजोशी से अभिनंदन किया। इस दौरान संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह भी मौजूद रहे।

उल्लेखनीय है कि संजय जायसवाल बिहार भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी भी संभाल चुके हैं। पार्टी नेताओं ने उनके आगमन पर खुशी जाहिर की।

यज्ञा बाबा आश्रम में श्रीकृष्ण छठी महोत्सव संपन्न

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची,: राजधानी रांची के मोरहाबादी स्थित आम्रकुंज के सिद्धपीठ श्री श्री 1008 यज्ञा बाबा आश्रम में गुरूवार को श्रीकृष्ण छठी महोत्सव श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस दौरान आश्रम परिसर वृंदावन धाम की तरह भक्तिमय नजर आया और श्रद्धालुओं ने हाथी घोड़ा पालकी, जय कन्हैया लाल की के जयकारे लगाए।इस अवसर पर आश्रम के मुख्य महंत श्री भरत दास जी महाराज और मुख्य पुजारी विकास पांडेय के सानिध्य में वैदिक मंत्रोच्चार और शंखध्वनि के बीच हुआ। भगवान श्री बाल गोपाल का दुग्धाभिषेक कर विधि-विधान से महापूजन और आकर्षक श्रृंगार किया गया। इस दौरान आयोजित भजन संध्या में बधाई गीतों और भजनों की प्रस्तुति से श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे।देर शाम धूप-दीप, कपूर और वेदमंत्रों की गूंज के बीच लड्डू गोपाल की महाआरती की गई। इसके बाद आश्रम परिसर में महाप्रसाद वितरण हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पंक्तिबद्ध होकर प्रसाद ग्रहण किया। आयोजन को सफल बनाने में आश्रम परिवार और शहर के गणमान्य लोगों का विशेष योगदान रहा।इस अवसर पर आशुतोष द्विवेदी, हेमा मिश्रा, प्रतिभा सिंह, स्मिता शुक्ला, रूपम झा, सिंधु बाला, अंजलि उपाध्याय, सुनीता तिवारी, प्रमोद सिंह, सुनील कुमार, श्याम पांडेय, चंदन पांडेय और अजीत कुमार सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे।

जेंडर आधारित हिंसा पर एनएचएम की कार्यशाला 11 को

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची, :राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, झारखंड की ओर से जेंडर संवेदनशीलता और महिला सुरक्षा को लेकर शुक्रवार को आईपीएच कॉन्फ्रेंस हॉल रांची में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन आयोजित किया जाएगा।कार्यशाला में स्वास्थ्य विभाग के कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और जेंडर आधारित हिंसा से जुड़े मुद्दों पर चर्चा होगी। यह जानकारी गुरूवार को राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अभियान निदेशक शशि प्रकाश झा ने प्रेस वार्ता में दी।उन्होंने बताया कि कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न की रोकथाम, निषेध और निवारण अधिनियम 2013 के तहत एनएचएम झारखंड मुख्यालय की आंतरिक शिकायत समिति का पुनर्गठन किया गया है जिसके तहत डॉ पुष्पा को समिति का नोडल अधिकारी बनाया गया है। इसके साथ ही पॉश अधिनियम के तहत शिकायतों के ऑनलाइन संकलन और निष्पादन के लिए विकसित शी-बॉक्स पोर्टल की जिम्मेदारी भी उन्हें सौंपी गई है।

वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के लिए डिजिटल बैंकिंग पहलों का शुभारंभ

NPCI
भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम
NATIONAL PAYMENTS CORPORATION OF INDIA

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांचीः ग्लोबल फिनटेक फेस्ट (जीएफएफ) के दौरान भारत सरकार के वित्तीय सेवा विभाग के सचिव संजय लोहिया ने वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के लिए नई डिजिटल बैंकिंग पहलों का शुभारंभ किया। इनमें तत्काल रुपे कार्ड और व्यापारी यूपीआई क्यूआर जारी करने वाले ओपन-सोर्स एटीएम, किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) और प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के लिए ह्ययूपीआई पर क्रेडिट लाइनह्ल तथा आधार सक्षम भुगतान प्रणाली (एईपीएस) के तहत थ्री-पार्टी नकद जमा सुविधा शामिल है। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) और एटीएम विनिर्माताओं के सहयोग से विकसित ओपन-सोर्स एंड्रॉयड एटीएम से ग्राहक बैंक शाखा जाए बिना रुपे डेबिट, क्रेडिट और एनसीएमसी कार्ड प्राप्त कर सकेंगे, जबकि व्यापारी यूपीआई क्यूआर जारी कर भुगतान स्वीकार कर सकेंगे। इन एटीएम से चेक जमा, खाता खोलने और ऋण आवेदन जैसी सुविधाएं भी दी जा सकेंगी तथा इन्हें ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में डिजिटल बैंकिंग इकाइयों के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। ह्ययूपीआई पर क्रेडिट लाइनह्ल के तहत पात्र केसीसी और मुद्रा लाभार्थी स्वीकृत ऋण सीमा का यूपीआई के जरिए इस्तेमाल कर सकेंगे। वर्तमान में 7.7 करोड़ से अधिक सक्रिय केसीसी खातों में 10 लाख करोड़ रुपये से अधिक की स्वीकृत ऋण सीमाएं हैं, जबकि मुद्रा योजना के तहत 57 करोड़ से अधिक ऋणों की राशि 40 लाख करोड़ रुपये से अधिक है। वहीं, एईपीएस की थ्री-पार्टी नकद जमा सुविधा के तहत ई-केवाईसी पंजीकृत व्यक्ति आधार आधारित बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण और लाभार्थी सत्यापन के जरिए सहभागी केंद्र संचालकों के माध्यम से सीधे बैंक खातों में नकद जमा कर सकेंगे।

त्योहारों को लेकर प्रशासन अलर्ट, पंडाल से लेकर विसर्जन तक सुरक्षा के कड़े निर्देश

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : आगामी त्योहारों को लेकर उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने गुरुवार को समाहरणालय सभागार में बैठक की। बैठक में पुलिस और विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ त्योहारों की तैयारियों की समीक्षा की गई।

राजधानी रांची में आने वाले गणेश चतुर्थी, करम पर्व, दुगार्पूजा, दीपावली, छठ और काली पूजा को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। त्योहारों के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के साथ-साथ लोगों की सुरक्षा, ट्रैफिक, साफ-सफाई और विसर्जन व्यवस्था को लेकर प्रशासन ने कई अहम निर्देश जारी किए हैं। उपायुक्त ने पूजा समितियों को पंडाल निर्माण में सुरक्षा मानकों का विशेष ध्यान रखने को कहा। पंडाल में आने-जाने के लिए पर्याप्त रास्ते, इमरजेंसी एग्जिट, सुरक्षित बिजली वायरिंग और अग्निशमन उपकरण की व्यवस्था अनिवार्य रूप से करने का निर्देश दिया गया।

प्रशासन ने यह भी साफ कर दिया कि पंडाल या तोरण द्वार को बिजली के खंभे, ट्रांसफॉर्मर या किसी अन्य विद्युत संरचना से सट-कर नहीं बनाया जाएगा। बिजली विभाग को पूजा पंडालों का नियमित निरीक्षण करने और नियमों का उल्लंघन मिलने पर कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है।

पूजा प्रतिमाओं के विसर्जन को लेकर भी प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सख्ती दिखाई है। समितियों को तय किए गए विसर्जन मार्ग का ही इस्तेमाल करना होगा। विसर्जन में इस्तेमाल होने वाले वाहनों की एमवीआई जांच, चालक के ड्राइविंग लाइसेंस की जांच और नो-एल्कोहोल टेस्ट के बाद ही वाहन को विसर्जन में शामिल करने का निर्देश दिया गया है।

इसके लिए पूजा समितियों से अंडरटेकिंग भी लेने को कहा गया है। करम पर्व के दौरान तालाबों और पूजा स्थलों पर भीड़ को देखते हुए नगर निगम को साफ-सफाई, रोशनी और सुरक्षित आवागमन की व्यवस्था करने को कहा गया है। जरूरत पड़ने पर क्रेन की व्यवस्था भी रखने का निर्देश दिया गया।

छठ पर्व को लेकर सभी घाटों की समय पर सफाई, पर्याप्त लाइ-टिंग, सुरक्षित रास्ते और भीड़ नियंत्रण की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया है। ज्यादा भीड़ वाले घाटों पर अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था की जाएगी।

दीपावली के दौरान शहर में बढ़ने वाली भीड़ को देखते हुए ट्रैफिक व्यवस्था को लेकर भी अधिकारियों को अलर्ट रहने का निर्देश दिया गया है।

प्रशासन पटाखों की बिक्री और इस्तेमाल से जुड़े नियमों का पालन सुनिश्चित करेगा।

प्रतिबंधित और असुरक्षित पटाखों की बिक्री या इस्तेमाल पर निगरानी रखी जाएगी। इसके अलावा दीपावली के दौरान खाद्य पदार्थों में मिलावट रोकने के लिए खाद्य सुरक्षा विभाग को दुकानों और बाजारों में जांच अभियान चलाने का निर्देश दिया गया है।

उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि त्योहारों के दौरान आम लोगों की सुरक्षा में किसी तरह की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। पंडाल निर्माण, बिजली व्यवस्था या विसर्जन के दौरान नियमों का उल्लंघन करने वालों पर नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बैठक में एसपी सिटी पारस राणा, एसपी ग्रामीण गौरव गोस्वामी, एसपी ट्रैफिक राकेश सिंह, एसडीओ सदर कुमार रजत सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

जेएसएससी-सीजीएल नियुक्तियों को रद्द करने के सरकार के आदेश पर उच्च न्यायालय की रोक, कर्मचारियों को काम जारी रखने का निर्देश

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची, :झारखंड उच्च न्यायालय ने जेएसएससी -सीजीएल परीक्षा के विज्ञापन संख्या 10/2023 के तहत हुई नियुक्तियों को रद्द करने के राज्य सरकार के आदेश के अमल पर रोक लगा दी।

जस्टिस दीपक रोशन की अदालत ने नियुक्तियां रद्द करने के फैसले को चुनौती देने वाली तीन अलग-अलग याचिकाओं पर सुनवाई के बाद यह आदेश दिया। इन मामलों में शालिनी सुंडी सहित अन्य, रोजलिन श्वेता तिग्गा एवं अन्य तथा ऋषिकेश सज्जन सहित अन्य याचिकाकर्ता शामिल हैं।

हालांकि, सभी याचिकाकताओं को अंडरटेकिंग दाखिल करने का निर्देश दिया गया है कि आपराधिक मामले में ट्रायल कोर्ट का अंतिम आदेश उन पर बाध्यकारी होगा और उसके आधार पर सरकार कानून के अनुसार कार्रवाई करने के लिए स्वतंत्र रहेगी। मामले की अगली सुनवाई 15 सितंबर 2026 को होगी।

अदालत ने जारी अधिसूचना संख्या 06/लो.से.आ.-01-07/5408 के संचालन, क्रियान्वयन और अनुपालन पर अगले आदेश तक रोक लगा दी। साथ ही सरकार को निर्देश दिया गया है कि इस अधिसूचना से प्रभावित नियुक्त कर्मचारियों को फिलहाल काम जारी रखने दिया जाए। अदालत ने यह निर्देश याचिकाकताओं के साथ-साथ समान स्थिति वाले अन्य प्रभावित कर्मियों पर भी लागू करने को कहा है।

सुनवाई के दौरान याचिकाकताओं की ओर से अधिवक्ता अमृतांश वत्स, कुमार अभिषेक और अर्पण एम. एक्का ने पक्ष रखा। उन्होंने अदालत को बताया कि विज्ञापन के तहत सभी याचिकाकताओं की विधिवत नियुक्ति हुई थी, लेकिन भर्ती प्रक्रिया को अचानक रद्द कर उनकी सेवाएं समाप्त कर दी गईं। कार्रवाई से पहले उन्हें न तो नोटिस दिया गया और न ही अपना पक्ष रखने का अवसर मिला।

अदालत ने प्रथम दृष्टया कहा कि नियमित नियुक्ति को प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का पालन किए बिना बाधित या समाप्त नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने यह भी कहा कि चुनौती दी गई अधिसूचना में फिलहाल ऐसे पर्याप्त आधार या सामग्री दिखाई नहीं देती, जो इतनी कठोर कार्रवाई को उचित ठहरा सके।

राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता रोहिताश्य राय ने कहा कि विभिन्न नागरिकों की शिकायतों के आधार पर सीआईडी गहन जांच कर रही है और मामले में कुछ गिरफ्तारियां भी हुई हैं। उन्होंने कहा कि भर्ती प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर अनियमितता सामने आई है, जिसके कारण सरकार ने विज्ञापन संख्या 10/2023 के तहत हुई नियुक्तियों को रद्द किया। अदालत ने माना कि फिलहाल सुविधा का संतुलन याचिकाकताओं के पक्ष में है। कोर्ट ने यह भी कहा कि अधिसूचना का क्रियान्वयन जनहित के प्रतिकूल है।

उल्लेखनीय है कि सीआईडी जांच के आधार पर सरकार ने 18 अगस्त की रात टीडीपीएल से जुड़ी परीक्षाओं को रद्द करने की घोषणा की थी। कार्मिक विभाग की अधिसूचना में 22 परीक्षाओं को रद्द करने, 6 की प्रक्रिया स्थगित करने और 17 परीक्षाओं को जांच के दायरे में रखने का उल्लेख है।

डोडा तस्करी मामले में दोषी को 20 साल की सजा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची,: 631 किलो डोडा की तस्करी मामले में दोषी तमिलनाडु निवासी के सरथ को अदालत ने 20 साल की कठोर कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही उस पर 04 लाख का जुमार्ना भी लगाया है। एनडीपीएस मामले के विशेष न्यायाधीश एके मिश्रा ने यह सजा सुनाई है।पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि खूंटी से भूसुर रिंग रोड की तरफ एक बोलेरो पिकअप वैन में डोडा की तस्करी की जा रही है। इस सूचना पर खरसीदाग थाना की पुलिस ने 20 मार्च 2025 को सड़क पर चेकिंग अभियान शुरू की। उसी दौरान खूंटी की ओर से आ रही पिकअप वैन को पुलिस ने रोका। वैन की तलाशी लेने पर 40 बोरा डोडा बरामद की गई थी। वहीं, पिकअप वैन के मालिक सह ड्राइवर के सरथ को मौके पर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था।

जेपीएससी मामले में बाबूलाल मरांडी ने सीआईडी के एडीजी की भूमिका पर उठाए सवाल

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची, : झारखंड विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और भारतीय जनता पार्टी नेता बाबूलाल मरांडी ने जेपीएससी परीक्षा में कथित धांधली की जांच को लेकर सीआईडी पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि जिस मामले की जांच आज सीआईडी कर रही है, उससे जुड़े इंटरव्यू बोर्ड में सीआईडी के एडीजी भी शामिल थे।मरांडी ने सोशल मीडिया एक्स पर गुरुवार को सीआईडी के एडीजी पर कोयला चोरी जैसे गंभीर भ्रष्टाचार के आरोप लगे होने की बात भी कही। उन्होंने कहा कि ऐसे में जेपीएससी मामले की जांच की निष्पक्षता पर सवाल उठना स्वाभाविक है।उन्होंने जेपीएससी और जेएसएससी परीक्षाओं की जांच सीबीआई से कराने की मांग की। मरांडी के अनुसार, सीबीआई जांच से पूरे मामले की गहराई से पड़ताल हो सकेगी और उन सभी लोगों की पहचान हो सकेगी, जो कथित धांधली में शामिल रहे हैं।नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि जांच के जरिए यह भी पता लगाया जाना चाहिए कि किन लोगों ने धांधली के जरिये नौकरी हासिल की और किन लोगों ने उन्हें इस पूरे मामले में मदद की। उन्होंने जेपीएससी-जेएसएससी परीक्षाओं में कथित गड़बड़ी की निष्पक्ष जांच की मांग की।

जेपीएससी-जेएसएससी रिफॉर्म मंच ने उच्चतम न्यायालय में दाखिल किया हस्तक्षेप आवेदन

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची, : राज्य में जेपीएससी जेएसएससी सहित अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं की सीबीआई जांच की मांग को लेकर जेपीएससी जेएसएससी रिफॉर्म मंच ने उच्चतम न्यायालय में दो हस्तक्षेप आवेदन (आईए) दाखिल किया है। यह जानकारी मंच की ओर से गुरूवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी गई।जारी प्रेस विज्ञप्ति की ओर में बताया गया कि लाखों प्रतियोगी छात्रों की निष्पक्ष और स्वतंत्र जांच की मांग को अब सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष मजबूती से रखा जाएगा।मंच की ओर से बताया गया कि हरिशरण देवगन वर्सेस स्टेट ऑफ झारखंड मामले की सुनवाई उच्चतम न्यायालय में 11 सितंबर 2026 को प्रस्तावित थी, लेकिन दिल्ली में प्रस्तावित ब्रिक्स सम्मेलन के मद्देनजर अब सुनवाई 16 सितंबर 2026 को निर्धारित की गई है।मंच की ओर से दाखिल दोनों आईए के माध्यम से मामले में हस्तक्षेप कर जेपीएससी-जेएसएससी परीक्षाओं की सीबीआई जांच की छात्रों की मांग के समर्थन में अपना पक्ष रखने की अनुमति मांगी गई है।न्यायालय ने आवेदन पर विचार किए जाने के बाद मंच के अधिवक्ता छात्रों से जुड़े तथ्यों, साक्ष्यों और सीबीआई जांच की आवश्यकता से संबंधित पक्ष न्यायालय के समक्ष रख सकेंगे।मंच ने कहा कि यह लड़ाई किसी एक परीक्षा या अभ्यर्थी की नहीं, बल्कि प्रतियोगी परीक्षाओं की पारदर्शिता, निष्पक्षता और लाखों छात्रों के भविष्य से जुड़ी है। मंच ने छात्रों से संयम बनाए रखने और न्यायिक प्रक्रिया पर विश्वास रखने की अपील की। मंच ने कहा है कि जेपीएससी-जेएसएसी सहित अन्यऔ प्रतियोगिता परिक्षाओं में अनियमितता भ्रष्टाचार की यह लड़ाई सिर्फ किसी एक परीक्षा या किसी एक अभ्यर्थी की नहीं, बल्कि झारखंड की प्रतियोगी परीक्षाओं की पारदर्शिता, निष्पक्षता और लाखों छात्रों के भविष्य से जुड़ी हुई लड़ाई है।

आत्महत्या रोकथाम को लेकर अभियान निदेशक ने दिलाई शपथ

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची,:विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस के अवसर पर सिविल सर्जन सभागार में गुरुवार को जागरूकता कार्यक्रम और रैली का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अभियान निदेशक शशि प्रकाश झा ने कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए स्वास्थ्यकर्मियों और कर्मचारियों को आत्महत्या रोकथाम के प्रति जागरूक रहने एवं जरूरतमंदों की सहायता के लिए तत्पर रहने की शपथ दिलाई। शशि प्रकाश झा ने कहा कि मानसिक रूप से स्वस्थ रहने के लिए सकारात्मक सोच जरूरी है। कोई समस्या होने की जानकारी होने पर अभिभावक या आसपास के लोग संबंधित व्यक्ति की इस चुप्पी पर कायदे से बातचीत करें और निराशा को आशा में बदलने का प्रयास करें। मानसिक तनाव या परेशानी से जूझ रहे व्यक्ति को अकेले इसका सामना नहीं करने देना चाहिए। परिवार, मित्रों या चिकित्सक से समय पर अपनी परेशानियां साझा करने से संकट को कम करने में मदद मिल सकती है।

मौके पर जिला नोडल पदाधिकारी डॉ सीमा गुप्ता ने कहा कि परेशानियों और भावनाओं को साझा नहीं करना मानसिक संकट का कारण बन सकता है। उन्होंने सोशल मीडिया के अत्यधिक उपयोग से बचने और व्यवहार में अचानक बदलाव, सामाजिक दूरी एवं लगातार निराशा जैसे संकेतों को गंभीरता से लेने की अपील की।चिकित्सा पदाधिकारी डॉ एआर मुस्ताफी ने सकारात्मक सोच और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने पर जोर दिया। कार्यक्रम के बाद स्वास्थ्यकर्मियों और एएनएमटीसी छात्राओं ने जागरूकता रैली निकाली। जिले में 10 से 16 सितंबर 2026 तक स्कूल-कॉलेजों में अभियान चलेगा। मानसिक स्वास्थ्य सहायता के लिए टेली-मानस हेल्पलाइन 14416 पर संपर्क किया जा सकता है।

कार्यक्रम में डॉ अमरेंद्र प्रसाद सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारी और स्वास्थ्यकर्मी मौजूद थे।

इंटरनेट कनेक्शन काटे जाने पर उच्च न्यायालय ने सरकार को फटकारा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची, :शहर में केबल एवं इंटरनेट तारों के सही ढंग से नहीं लगे होने से संबंधित कोर्ट के स्वतः संज्ञान से दर्ज जनहित याचिका पर झारखंड उच्च न्यायालय में सुनवाई हुई। इस दौरान कोर्ट ने बीते दिन झारखंड उच्च न्यायालय का इंटरनेट कनेक्शन काटे जाने पर सरकार को फटकार लगाई। इस दौरान झारखंड बिजली वितरण निगम के सीएमडी अदालत में हाजिर हुए।कोर्ट ने कहा कि पिछले दो सप्ताह से बिना सूचना के रांची शहर के विभिन्न इलाकों में पोल पर लगे इंटरनेट तारों को काट दिया जा रहा है। इससे शहर की इंटरनेट सेवा प्रभावित हो रही हैं। इंटरनेट सेवा काटे जाने से झारखंड उच्च न्यायालय में भी काम प्रभावित हो रहा है। उच्च न्यायालय के इंटरनेट सेवा को पुनर्बहाल (रिस्टोर) क्यों नहीं किया गया।कोर्ट ने मामले की सुनवाई आज दोपहर 2:15 बजे फिर रखी है, तब तक सरकार को हाईकोर्ट की इंटरनेट सेवा पुनर्बहाल करने का निर्देश दिया गया है। मामले की सुनवाई उच्च न्यायालय के चीफ जस्टिस एमएस सोनक एवं न्यायमूर्ति राजेश शंकर की खंडपीठ में हुई, पिछली सुनवाई में कोर्ट ने सरकार से पूछा था किन-किन टेलीकॉम कंपनी को केबल एवं इंटरनेट तार लगाने की परमिशन दी गई है और उनमें से कितना यूज किया जा रहा है।कोर्ट ने कहा था कि इंटरनेट एवं केबल तार रांची शहर में अगर सही तरीके से नहीं लगे हुए हैं और नीचे की ओर तार झूले में है तो उस-।के लिए झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड जिम्मेवार है। कोर्ट ने सीएमडी से यह भी पूछा है कि रांची में नीचे की ओर झूले केबल तार के लिए कौन अधिकारी जिम्मेवार है और उन पर क्या कार्रवाई हुई।

एचईसी वेलनेस सेंटर में रक्तदान शिविर आयोजित

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांचीः एचईसी वेलनेस सेंटर में गुरुवार को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ एचईसी के निदेशक कार्मिक के घोष ने किया।इस अवसर पर उन्होंने कहा कि रक्तदान महादान है। रक्तदान से कई जरूरतमंद लोगों की जान बचाई जा सकती है। विषम परिस्थितियों में भी रक्तदान शिविर का आयोजन करना सराहनीय पहल है। उन्होंने कहा कि समाजहित में इस तरह के कार्य लगातार होते रहने चाहिए।इस अवसर पर के घोष ने शिविर के आयोजन के लिए रविकांत और उनकी पूरी टीम के साथ-साथ वेलनेस सेंटर के कर्मियों को विशेष रूप से धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि रक्तदान के प्रति लोगों को जागरूक करने और जरूरतमंद मरीजों की सहायता के लिए ऐसे शिविर महत्वपूर्ण हैं।शिविर में गुरु नानक अस्पताल ब्लड बैंक से आई टीम ने एचईसी प्लांट से पहुंचे कर्मियों का सफलतापूर्वक रक्तदान कराया।इस दौरान कर्मियों ने उत्साह के साथ रक्तदान किया और अन्य लोगों को भी रक्तदान के लिए प्रेरित किया।इस अवसर पर निदेशक कार्मिक के घोष, कार्मिक प्रमुख प्रशांत पाठक, सीएमओ डॉ एस सुरीन, डॉ अपूर्वा सहित अन्य लोग मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

ट्रेनों के परिचालन में सतर्कता को लेकर एडीआरएम ने की समीक्षा

गया जी(एजेंसी) : ट्रेनों के सुरक्षित एवं सुचारु परिचालन को लेकर पूर्व मध्य रेलवे के डीडीयू रेल मंडल के एडीआरएम कुलदीप कुमार ने गया जंक्शन का निरीक्षण किया। उन्होंने विभागीय ब्रांच अधिकारियों के साथ परिचालन से जुड़ी व्यवस्थाओं का भौतिक सत्यापन किया और आवश्यक निर्देश दिए।

एडीआरएम ने गया जंक्शन के यात्री क्षेत्र समेत कई महत्वपूर्ण स्थानों का जायजा लिया। इस दौरान मेमू शेड, आरआरआई लॉबी, वाशिंग पिट और गार्ड-चालक रनिंग रूम सहित परिचालन से जुड़े विभिन्न स्थलों पर पहुंचकर व्यवस्थाओं की स्थिति देखी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से वहां की कार्यप्रणाली और उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान ट्रेनों के परिचालन में किसी तरह की लापरवाही नहीं बरतने और सुरक्षा मानकों का पूरी तरह पालन सुनिश्चित करने को कहा गया।

गया जी में होने वाले पितृपक्ष मेले को देखते हुए रेलवे की तैयारियों की भी समीक्षा की गई। मेले के दौरान बड़ी संख्या में देश-विदेश से श्रद्धालुओं के गया पहुंचने की संभावना है। इसे देखते हुए स्टेशन पर यात्रियों की बढ़ने वाली भीड़ के अनुरूप सभी जरूरी व्यवस्थाएं समय रहते पूरी करने का निर्देश दिया गया।अधिकारियों को यात्री आवागमन वाले क्षेत्रों में साफ-सफाई, सुगम आवाजाही, सुरक्षा और अन्य आवश्यक सुविधाओं पर विशेष ध्यान देने को कहा गया। एडीआरएम ने कहा कि पितृपक्ष के दौरान यात्रियों की सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। निरीक्षण के दौरान संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे और उन्हें व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए जरूरी दिशा-निर्देश दिए गए।

शिक्षा में नवाचार और समर्पण के लिए गणित शिक्षक संतोष कुमार सम्मानित

गया गाइडेंस प्रोग्राम फेज-3 के तहत जिले के 36 शिक्षकों को मिला प्रशस्ति पत्र

फतेहपुर (गया जो)(एजेंसी) : गया गाइडेंस प्रोग्राम फेज-3 के तहत शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट, नवाचारी एवं प्रभावी कार्य करने वाले जिले के 36 शिक्षकों को शिक्षक दिवस के अवसर पर प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्रीय शिक्षा उपनिदेशक, मगध प्रमंडल, गया तथा जिला शिक्षा पदाधिकारी सहित शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने शिक्षकों के उत्कृष्ट कार्यों को सम्मानित किया। इसी क्रम में प्लस टू प्रोजेक्ट कन्या उच्च विद्यालय, फतेहपुर के गणित शिक्षक संतोष कुमार को भी शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर कार्य, विद्यार्थियों के प्रति समर्पण तथा गणित विषय को सरल, रोचक और प्रभावी तरीके से पढ़ाने के प्रयासों के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। सम्मान प्राप्त करने के बाद संतोष कुमार ने विभागीय अधिकारियों और गया गाइडेंस प्रोग्राम से जुड़े पदाधिकारियों के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा कि यह सम्मान उनके लिए सिर्फ व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि शिक्षा के क्षेत्र में और बेहतर कार्य करने की नई प्रेरणा और जिम्मेदारी है। विद्यार्थियों की सीखने की क्षमता बढ़ाने, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देने और नवाचार आधारित शिक्षण को विद्यालय स्तर तक पहुंचाने के लिए वे निरंतर प्रयास करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि शिक्षक का वास्तविक सम्मान तभी सार्थक है, जब उसके प्रयास से विद्यार्थियों के ज्ञान, आत्मविश्वास और भविष्य को नई दिशा मिले। गया गाइडेंस प्रोग्राम के माध्यम से शिक्षकों के उत्कृष्ट कार्यों को पहचान और प्रोत्साहन मिलने से शिक्षा व्यवस्था में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा तथा अन्य शिक्षक भी नवाचार और उत्कृष्टता के लिए प्रेरित होंगे।

संत रविदास शिविर में पहुंचा सरकारी लाभ, ग्रामीणों की समस्याओं का मौके पर समाधान

फतेहपुर प्रखंड की तीन पंचायतों के अनुसूचित जाति टोलों में लगा शिविर

22 कल्याणकारी योजनाओं की दी गई जानकारी

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए अब ग्रामीणों को कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। इसी को लेकर अनुसूचित जाति के टोलों में पहुंचकर उनकी समस्याओं का समाधान और योजनाओं से जोड़ने के उद्देश्य से गुरुवार को फतेहपुर प्रखंड की नौडीहा झुरंगा, दक्षिणी लोधवे और सलैयाकला पंचायत में संत रविदास विकास शिविर लगाया गया। शिविर में विभिन्न विभागों के पदाधिकारी और कर्मियों ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं तथा पात्र लाभुकों को योजनाओं का लाभ लेने की प्रक्रिया समझाई।बीडीओ शशि भूषण साहू की उपस्थिति में आयोजित शिविर में अनुसूचित जाति के ग्रामीणों को सरकार की ओर से संचालित 22 कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। बीडीओ ने कहा कि पात्र लाभुक आवश्यक दस्तावेज के साथ आवेदन कर योजनाओं का लाभ उठाएं। अधिकारियों ने योजनाओं की पात्रता, आवेदन प्रक्रिया और जरूरी कागजात के बारे में भी ग्रामीणों को विस्तार से बताया।शिविर में जन्म प्रमाणपत्र, आयुष्मान कार्ड और पेंशन से जुड़ी समस्याओं का मौके पर निपटारा किया गया। पात्र लाभुकों को आवश्यक प्रमाणपत्र भी उपलब्ध कराए गए। वहीं, अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के इच्छुक ग्रामीणों से आवेदन भी प्राप्त किए गए।बीडीओ ने बताया कि सलैयाकला पंचायत में चार लाभुकों को जॉब कार्ड तथा 18 लाभुकों को जन्म प्रमाणपत्र उपलब्ध कराया गया। शिविर में ग्रामीणों ने विभिन्न समस्याओं से अधिकारियों को अवगत कराया, जिनके समाधान के लिए संबंधित विभाग के कर्मियों को आवश्यक निर्देश दिए गए।

दो स्कॉर्पियो से 7 लाख की विदेशी शराब बरामद,एक गिरफ्तार

बक्सर, (एजेंसी) : गुप्त सूचना के आधार पर डुमरांव थाना क्षेत्र के बड़का ढकाईच स्थित मां शारदा लाइन होटल के परिसर में पुलिस ने छापेमारी कर दो स्कॉर्पियो से विदेशी शराब बरामद की। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है, जबकि दूसरे वाहन के चालक के फरार होने की बात सामने आई है।पुलिस द्वारा दर्ज विवरण के अनुसार गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान उमाकांत पासवान, पिता-अजीत पासवान, निवासी-बड़की नैनीजोर (नैनीजोर थाना), वार्ड संख्या-08, जिला-बक्सर, उम्र करीब 29 वर्ष के रूप में हुई है।

103 वर्ष पुराने मौनिया बाबा मेले का भव्य शुभारंभ, उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

सीवान, (एजेंसी) : । महाराजगंज अनुमंडल मुख्यालय में 103 वर्ष पुराने ऐतिहासिक मौनिया बाबा मेला सह राजकीय महोत्सव 2026 का गुरुवार को भव्य शुभारंभ हुआ।

महाराजगंज के सांसद जनार्दन सिंह सिग्रीवाल ने मेले का उद्घाटन किया। इस मौके पर महाराजगंज विधायक हेमनारायण साह, जिलाधिकारी विजय प्रकाश मीणा, पुलिस अधीक्षक भारत सोनी, डीडसी, एसडीएम महाराजगंज समेत कई जनप्रतिनिधि, अधिकारी और गणमान्य लोग मौजूद रहे। उद्घाटन से पहले मौनिया बाबा के समाधि स्थल पर पूजा-अर्चना की गयी। इसके बाद स्थानीय कलाकारों और स्कूली बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। बच्चों की रचनात्मक प्रस्तुतियों ने मौजूद लोगों का मन मोह लिया।

प्रशासन के अनुसार महाराजगंज का मौनिया बाबा मेला वर्ष 1923 से भादो अमावस्या के अवसर पर आयोजित होता आ रहा है। उत्तर बिहार के प्रसिद्ध मेलों में शामिल इस मेले में दूर-दराज के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग पहुंचते हैं। वर्ष 2025 में इसे राजकीय महोत्सव का दर्जा मिलने के बाद मेले की गरिमा और महत्व और बढ़ा है।

सांसद जनार्दन सिंह सिग्रीवाल ने कहा कि राजकीय मेले का दर्जा मिलने से मौनिया बाबा मेले की पारंपरिक पहचान को नई प्रतिष्ठा मिली है। यह मेला अब सीवान की सांस्कृतिक पहचान का महत्वपूर्ण आधार बन रहा है। मेले में करीब 23 महावीरी अखाड़े भी भाग लेते हैं। जिलाधिकारी विजय प्रकाश मीणा और एसपी भारत सोनी ने शांति समिति के सदस्यों से अखाड़ों के दौरान विधि-व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग की अपील की।

अधिकारियों ने कहा कि अखाड़ा निकालने के दौरान सरकार द्वारा निर्धारित नियमों का अनिवार्य रूप से पालन किया जाना चाहिए। जिलाधिकारी ने कहा कि राजकीय दर्जा मिलने के बाद मौनिया बाबा मेला पर्यटन और रोजगार की संभावनाओं को भी मजबूत कर रहा है। मेले की बुनियादी संरचना को बेहतर और व्यवस्थित बनाने के लिए जिला प्रशासन की ओर से प्रयास किये जा रहे हैं।

उन्होंने उम्मीद जतायी कि आने वाले समय में यह मेला सीवान की विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान के रूप में और मजबूत होगा। मेला परिसर में लकड़ी और लोहे से बनी पारंपरिक वस्तुओं की भी बड़ी मांग रहती है। यहां अलमारी, संदूक, ओखल और मूसल सहित कई घरेलू सामानों की खरीद-बिक्री होती है। वहीं महावीरी अखाड़ों की आकर्षक प्रस्तुतियां और सांस्कृतिक कार्यक्रम मेले के प्रमुख आकर्षण बने हुए हैं।

श्रद्धालुओं की भारी भीड़ और आस्था का जनसैलाब मौनिया बाबा मेले को सीवान की सांस्कृतिक जीवंतता का प्रतीक बनाता है।

स्कूलों की गुणवत्ता सुधार का बना रोडमैप, पढ़ाई से योजनाओं तक कसी गई निगरानी

पीबीएल, एफएलएन और लैब संचालन को प्रभावी बनाने पर जोर

फतेहपुर (गया जी) (एजेंसी) : फतेहपुर प्रखंड मुख्यालय स्थित बीआरसी में गुरुवार को प्रधानाध्यापकों की मासिक गुरुगोष्ठी में विद्यालयों की शैक्षणिक गुणवत्ता सुधारने और सरकारी योजनाओं को धरातल पर प्रभावी ढंग से लागू करने का रोडमैप तैयार किया गया। बैठक में अधिकारियों ने विद्यालयों में केवल योजनाओं के संचालन तक सीमित नहीं रहने, बल्कि उनके गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया।प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी दिनेश कुमार राय ने बताया कि बैठक में प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग (पीबीएल), सीआरओ टूल, मीना मंच, इंस्पायर अवार्ड, एपीएआर आईडी निर्माण और ई-शिक्षाकोष पर शिक्षकों के प्रोफाइल अपडेट की स्थिति की समीक्षा की गई। साथ ही लेखा पुस्तिका व अन्य अभिलेखों को अद्यतन रखने, इको क्लब की नोटिफिकेशन तथा आईसीटी और आईएसएम लैब को नियमित रूप से संचालित करने पर जोर दिया गया। प्रधानाध्यापकों से विद्यालयों में छात्र-छात्राओं और शिक्षकों की उपस्थिति की स्थिति की जानकारी ली गई। मासिक पाठ्य योजना और शैक्षणिक गतिविधियों की समीक्षा करते हुए आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई करने को कहा गया। एफएलएन यानी बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान कार्यक्रम को भी प्रभावी बनाने का निर्देश दिया गया। बैठक की अध्यक्षता बीईओ दिनेश राय ने की, जबकि संचालन लेखपाल पियूष तिवारी ने किया। मौके पर एमडीएम समन्वयक देवानंद कुमार, बीआरसीसी समेत प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाध्यापक मौजूद रहे।

राष्ट्रीय कृषि विकास योजना में धनिया-मेथी की खेती पर मिलेगा 40 फीसदी का अनुदान लाभ

बिहार राज्य बीज निगम से किसानों को उपलब्ध कराए जाएंगे उन्नत किस्म के बीज

गया जी(एजेंसी) : कृषि विभाग उद्यान निदेशालय की ओर से गया जिले में मसाला फसलों की खेती को बढ़ावा देने की पहल की गई है। राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत धनिया और मेथी की खेती करने वाले किसानों को 40 फीसदी अनुदान दिया जाएगा। इससे किसानों को मसाला फसलों की खेती के लिए प्रोत्साहित करने के साथ उनकी आय बढ़ाने पर भी जोर दिया जा रहा है।

जिला उद्यान अधिकारी तबस्सुम परवीन ने बताया कि योजना के तहत धनिया और मेथी की खेती करने वाले किसानों को अनुदान का लाभ दिया जाएगा। किसानों को बेहतर उत्पादन के लिए बिहार राज्य बीज निगम के माध्यम से उन्नत एवं गुणवत्तापूर्ण बीज भी उपलब्ध कराए जाएंगे। विभाग का उद्देश्य किसानों को अच्छी गुणवत्ता वाले बीज उपलब्ध कराकर मसाला फसलों के उत्पादन और उत्पादकता में वृद्धि करना है।मसाला फसलों की खेती को व्यवस्थित तरीके से बढ़ावा देने के लिए जिले में क्लस्टर भी तैयार किए गए हैं। खिजरसराय प्रखंड में मेथी की खेती के लिए क्लस्टर बनाया गया है। वहीं मानपुर और टिकारी प्रखंड में धनिया की खेती के लिए क्लस्टर का निर्माण किया गया है। इन क्लस्टरों के माध्यम से किसानों को एक साथ खेती करने, उन्नत बीज का उपयोग करने और बेहतर उत्पादन प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।उद्यान विभाग के अधिकारी ने बताया कि मसाला फसलों की खेती किसानों के लिए अतिरिक्त आमदनी का बेहतर माध्यम बन सकती है। अनुदान और गुणवत्तापूर्ण बीज मिलने से खेती की लागत का बोझ कम होगा। विभाग की ओर से किसानों को योजना का लाभ लेने के लिए जागरूक भी किया जा रहा है, ताकि अधिक से अधिक किसान धनिया और मेथी की खेती से जुड़ सकें।

वाहन जांच अभियान में पकड़े गए वाहनों से वसूला गया 11 लाख रुपये का जुर्माना

दो दिनों में 17.50 लाख रुपये की वसूली, पितृपक्ष मेला को लेकर शहर के प्रमुख मार्गों पर जांच तेज

गया जी(एजेंसी) : गया जी के विष्णुपद और अन्य वेदियों पर पिंडदान को लेकर आयोजित होने वाले पितृपक्ष मेला के दौरान गया जी शहर की यातायात व्यवस्था को सुरक्षित और सुगम बनाए रखने के लिए जिला प्रशासन ने वाहन जांच अभियान तेज कर दिया है। गुरुवार को जिला परिवहन पदाधिकारी (डटीओ) राजेश कुमार के नेतृत्व में सदर एसडीओ और यातायात पुलिस उपाधीक्षक ने संयुक्त रूप से शहर के विभिन्न प्रमुख मार्गों पर सघन वाहन जांच अभियान चलाया। जांच के दौरान पकड़े गए बड़े और छोटे वाहनों पर करीब 11 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया गया। वहीं, दो दिनों के अभियान में कुल 17 लाख 50 हजार रुपये जुमार्ने की वसूली की गई।अधिकारियों ने जांच के दौरान वाहन चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस, प्रदूषण प्रमाण-पत्र, वाहन के आवश्यक कागजात और अन्य दस्तावेजों की जांच की। मोटर वाहन अधिनियम के प्रावधानों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों पर नियमानुसार कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान नाबालिगों के वाहन चलाने के मामलों पर भी विशेष नजर रखी गई। अधिकारियों ने अभिभावकों से अपील की कि वे नाबालिग बच्चों को वाहन चलाने की अनुमति नहीं दें।

बाईपास, घुघड़ीटांड़, बोधगया रोड, माड़नपुर सहित शहर के विभिन्न प्रमुख मार्गों पर वाहनों की जांच की गई। जिला परिवहन विभाग की कार्रवाई में करीब छह लाख रुपये का जुमार्ना वसूला गया। वहीं, यातायात विभाग की ओर से करीब 50 हजार रुपये का फाइन किया गया। अधिकारियों ने वाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन करने और सड़क सुरक्षा को प्राथमिकता देने की अपील की।जिला प्रशासन के अनुसार पितृपक्ष मेला के दौरान देश-विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के गया पहुंचने की संभावना है। इसे देखते हुए शहर में यातायात का दबाव बढ़ेगा। ऐसे में यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने और नियमों का पालन सुनिश्चित कराने के लिए वाहन जांच अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा। प्रशासन ने वाहन चालकों से आवश्यक कागजात साथ रखने और यातायात नियमों का पालन करने की अपील की है।

गया जंक्शन: आठ घंटे का मजिस्ट्रेट टिकट जांच अभियान में 200 से ज्यादा बेटिकट यात्री पकड़े गए

सुबह आठ से शाम चार बजे तक चला सघन जांच अभियान

गया जी (एजेंसी) : गया जंक्शन पर बेटिकट यात्रियों के खिलाफ गुरुवार को आठ घंटे का विशेष मजिस्ट्रेट टिकट जांच अभियान चलाया गया। सुबह आठ बजे से शाम चार बजे तक चले अभियान में करीब 200 से ज्यादा बेटिकट यात्रियों को पकड़ा गया। अभियान की कमान रेल न्यायिक दंडाधिकारी सुशांत सागर ने संभाली।

टिकट जांच अभियान में सीआईटी आरआर सिन्हा के नेतृत्व में टीटीई, टीसी, वाणिज्य विभाग और आरपीएफ की टीम शामिल रही। जांच टीम ने स्टेशन परिसर के साथ विभिन्न ट्रेनों, प्लेटफार्मों और फुट ओवरब्रिज पर यात्रियों के टिकट की जांच की। इस दौरान बिना टिकट यात्रा करने वालों को पकड़कर नियमानुसार कार्रवाई की गई। पकड़े गए बेटी कट यात्रियों से जमाने की राशि वसूल की गई।रेल प्रशासन की ओर से लगातार ऐसे अभियान चलाकर बिना टिकट यात्रा पर अंकुश लगाने का प्रयास किया जा रहा है। अधिकारियों ने यात्रियों से अपील की कि वे यात्रा से पहले वैध टिकट अवश्य लें और स्टेशन परिसर में निर्धारित नियमों का पालन करें। जांच अभियान के दौरान आरपीएफ जवानों ने भी सुरक्षा व्यवस्था के साथ टिकट जांच में सहयोग किया। अधिकारियों ने कहा कि आने वाले दिनों में भी बेटिकट यात्रियों के खिलाफ सघन जांच अभियान जारी रहेगा।

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक ने की शिष्टाचार भेंट

हाजीपुर (एजेंसी) : : बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से पटना में आज पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक डिम्पी गर्ग ने शिष्टाचार मुलाकात की । माननीय मुख्यमंत्री से मुलाकात में महाप्रबंधक ने बिहार राज्य की महत्वपूर्ण रेल परियोजनाओं, यात्री सुविधा और रेल विकास से जुड़े पूर्व मध्य रेल की विभिन्न योजनाओं की प्रगति से अवगत कराया।महाप्रबंधक ने रेलवे के क्रिया-कलाप, यात्री सुविधा में और सुधार के उपायों तथा रेल विकास आदि से जुड़े विषयों पर माननीय मुख्यमंत्री से मार्गदर्शन प्राप्त किया ।

वंचित वर्गों का हक मांगने पर इतनी बौखलाहट क्यों: नन्दलाल

सांसद अरुण भारती के बयान पर हम पार्टी का पलटवार

गया जी(एजेंसी) : केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी को लेकर जमुई सांसद अरुण भारती की टिप्पणी के बाद सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। गुरुवार को हम पार्टी के सांसद प्रतिनिधि नंदलाल मांझी और जिलाध्यक्ष टूटू खान ने प्रेसवार्ता कर अरुण भारती के बयान पर पलटवार किया। नेताओं ने कहा कि मांझी के राजनीतिक और सामाजिक योगदान पर सवाल उठाने से पहले उनके कार्यों को देखना चाहिए।नंदलाल मांझी ने कहा कि जीतन राम मांझी ने मांझी, मुसहर और भुईया समेत समाज के अत्यंत वंचित वर्गों के लिए कई पहल की हैं। उन्होंने आरक्षण में वर्गीकरण के मुद्दे को भी वंचित परिवारों को उचित हिस्सेदारी दिलाने की कोशिश बताया। कहा कि हम पार्टी किसी का अधिकार छीनने की नहीं, बल्कि वंचितों को भी अवसर देने की मांग कर रही है। उन्होंने कहा कि हम अपना हक मांग रहे हैं, आप इतना बौखला क्यों रहे हैं? उन्होंने मांझी के कार्यकाल में महादलित आयोग के गठन, टोला सेवक, विकास मित्र व तालिमी मरकज के पद सृजन, छात्रावास और छात्रवृत्ति जैसी योजनाओं का उल्लेख किया। मुख्यमंत्री रहते तीन डिसमिल से बढ़ाकर पांच डिसमिल जमीन देने के प्रावधान का भी जिक्र किया। अरुण भारती पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि यदि ये कार्य दिखाई नहीं दे रहे हैं तो दृष्टि दोष का इलाज कराना चाहिए। जिलाध्यक्ष टूटू खान ने कहा कि सामाजिक न्याय की लड़ाई किसी व्यक्ति के खिलाफ नहीं, बल्कि उस व्यवस्था के खिलाफ है जिसमें समाज का अंतिम व्यक्ति पीछे रह जाता है। प्रेसवार्ता में दिना मांझी, जोगेंद्र मांझी और मनोज मांझी सहित अन्य मौजूद थे।

संपादकीय

ब्रिक्स सम्मेलन में भारत की महत्वपूर्ण भूमिका

दुनिया की बदलती आर्थिक और सामरिक परिस्थितियों के बीच 12 और 13 सितंबर को नई दिल्ली में होने वाला ब्रिक्स सम्मेलन भारत के लिए महज एक अंतरराष्ट्रीय आयोजन नहीं, बल्कि अपनी कूटनीतिक क्षमता और वैश्विक नेतृत्व की परीक्षा का महत्वपूर्ण अवसर है। दो दशक पहले पांच देशों से शुरू हुआ ब्रिक्स आज 11 सदस्य देशों तक पहुंच चुका है। इन देशों में दुनिया की बड़ी आबादी निवास करती है और वैश्विक अर्थव्यवस्था में भी इनका प्रभाव लगातार बढ़ रहा है। ऐसे समय में जब भारत ब्रिक्स की अध्यक्षता कर रहा है, उसकी भूमिका स्वाभाविक रूप से पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है।

पिछले 20 वर्षों में वैश्विक राजनीति, अर्थव्यवस्था और सामरिक संबंधों का स्वरूप तेजी से बदला है। दुनिया अब एकध्रुवीय व्यवस्था से आगे बढ़कर बहुध्रुवीय व्यवस्था की ओर जाती दिखाई दे रही है। व्यापार, तकनीक, नवाचार, ऊर्जा, सुरक्षा और वित्तीय व्यवस्था के क्षेत्र में नए समीकरण बन रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थाओं की भूमिका और उनकी स्वीकार्यता को लेकर भी अनेक देशों में सवाल उठ रहे हैं। ऐसे वातावरण में ब्रिक्स विकासशील और उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए अपने हितों को सामूहिक रूप से आगे बढ़ाने का एक महत्वपूर्ण मंच बन सकता है।

ब्रिक्स देशों द्वारा स्थापित न्यू डेवलपमेंट बैंक इसका उदाहरण है। परिवहन, स्वच्छ ऊर्जा, जलापूर्ति और पर्यावरण जैसे क्षेत्रों में अनेक परियोजनाओं के लिए अरबों डॉलर का वित्त उपलब्ध कराया जा चुका है। सदस्य देशों के बीच व्यापार भी उल्लेखनीय स्तर तक पहुंच गया है। यह संकेत है कि ब्रिक्स केवल राजनीतिक संवाद का मंच नहीं, बल्कि वैकल्पिक आर्थिक सहयोग की मजबूत आधारशिला भी बन सकता है।सबसे बड़ा प्रश्न वैश्विक वित्तीय व्यवस्था को लेकर है। अमेरिकी डॉलर की केंद्रीय भूमिका और उसके माध्यम से लगाए जाने वाले आर्थिक प्रतिबंधों ने कई देशों को वैकल्पिक भुगतान और व्यापार व्यवस्था पर विचार करने के लिए प्रेरित किया है। ब्रिक्स के भीतर स्थानीय मुद्राओं में व्यापार तथा वैकल्पिक वित्तीय तंत्र को लेकर चर्चा इसी बदलती वैश्विक सोच का परिणाम है। हालांकि किसी नई वैश्विक मुद्रा व्यवस्था का निर्माण आसान नहीं है, लेकिन यह स्पष्ट है कि दुनिया के अनेक देश आर्थिक निर्णयों में अधिक स्वायत्तता चाहते हैं।

हम अपने माता-पिता नहीं चुन सकते, परंतु हम माता पिता का चयन होते हैं।
: अज्ञात

पहले आपको खुद बदलना होगा, जैसा की आप दुनिया को देखना चाहते है।
: महात्मा गाँधी

लौह संस्कृति के आदि प्रणेता झारखण्ड के असुरों का आदिम धातुकर्म

भारतीय उपमहाद्वीप का इतिहास केवल लिपिबद्ध ग्रंथों की सीमाओं में आबद्ध नहीं है, अपितु इसका एक बहुत बड़ा भाग यहाँ के वनों, पर्वतों और आदिम जनजातियों की वाचिक परंपराओं एवं विनिर्माण कौशलों में सुरक्षित है। जब हम वैश्विक लौह युग और धातु विज्ञान के इतिहास पर विचार करते हैं, तो छोटानागपुर के पठार पर बसी असुर जनजाति का नाम सर्वोपरि उभर कर आता है। झारखण्ड के गुमला, लोहरदगा, लातेहार और नेतरहाट के सुरम्य पठारी क्षेत्रों (पाट क्षेत्रों) में निवास करने वाली यह आदिम जनजाति भारत की प्रथम धातु विज्ञानी मानी जाती है।

ऋग्वेद से लेकर महाभारत तक में जिस असुर शब्द का प्रयोग लौह दुर्गों के निर्माण, मायावी अस्त्रों और अद्वितीय यांत्रिक कौशल के संदर्भ में हुआ है, उसके भौतिक साक्ष्य झारखण्ड के इन वनों में असुरों की पारंपरिक भट्टियों के रूप में आज भी जीवित हैं। समकालीन औद्योगिक काल में जब बड़े-बड़े इस्पात संयंत्र राष्ट्र की रीढ़ बने हुए हैं, तब असुरों की वह आदिम, जंग रोधी और विस्मृतप्राय लौह गलाने की तकनीक एक गंभीर वैज्ञानिक और सांस्कृतिक पुनरावलोकन की मांग करती है। प्राचीन भारतीय ग्रंथों में असुर और लोहा शब्द एक-दूसरे के पूरक के रूप में दिखाई देते हैं। ऋग्वेद में देवताओं और असुरों के संघर्ष के बीच असुरों के आयस (लोहे या धातु) के पुरों (किलों) का बारंबार उल्लेख है। शतपथ ब्राह्मण और तैत्तिरीय संहिता में वर्णित धातु को पिघलाने की विद्या में असुरों की विशेषज्ञता को स्वीकार किया गया है। पुरातत्वविद् और शोधकर्ता मानते हैं कि मगध साम्राज्य के उत्कर्ष और मौर्य सेना के अजेय अस्त्र-शस्त्रों के निर्माण के पीछे छोटानागपुर के इन्हीं असुर शिल्पियों का आदिम धातुकर्म था, जो उस काल में कच्चे माल को प्रसंस्कृत कर अस्त्रों के लिए उच्चतम श्रेणी का लोहा प्रदान करते थे।

वर्तमान असुर समुदाय स्वयं को महिषासुर का वंशज मानता है। उनके लोकगीतों में अग्नि, भट्टी और लोहे को पिघलाने की कला को उनके पूर्वजों द्वारा प्रदत्त एक पवित्र और ईश्वरीय उपहार के रूप में पूजनीय स्थान प्राप्त है।

आधुनिक भू वैज्ञानिक जिन लौह अयस्कों को खोजने के लिए उपग्रहों और जटिल वैज्ञानिक उपकरणों का सहारा लेते हैं, झारखण्ड के असुर समुदाय के वृद्ध कारीगर उन्हें केवल अपनी आंखों से देखकर और छूकर अचूक रूप से पहचान लेते हैं। नेतरहाट के पठार पर वे लौह-अयस्क को तीन प्रमुख श्रेणियों में विभाजित करते हैं-

पोला- यह मैग्नेटाइट अयस्क होता है, जो अत्यंत शुद्ध माना जाता है।

बीछी- यह हेमेटाइट अयस्क है, जो छोटे पत्थरों या दानों के रूप में पाया जाता है।

गोटा- यह लैटेराइट से प्राप्त होने वाला हेमेटाइट अयस्क है, जो भारी और कठोर होता है।

असुरों की लोहा पिघलाने की भट्टी, जिसे उनकी भाषा में कुत्थी या मेदहत कुत्थी कहा जाता है, पूर्णतः मिट्टी और भूसे से निर्मित एक बेलनाकार संरचना होती है। इसकी ऊंचाई लगभग 85 सेंटीमीटर से 1 मीटर तक होती है। असुर लोग भट्टी में साधारण लकड़ी के कोयले का प्रयोग नहीं करते। वे केवल सखुआ (साल) की सूखी या मृत लकड़ी से बने कोयले का उपयोग करते हैं। वैज्ञानिक दृष्टि से साल के कोयले में कार्बन की मात्रा अधिक होती है, जो भट्टी के भीतर बिना किसी कृत्रिम ईंधन के 1400त्ङ से 1600त्ङ तक का उच्च तापमान उत्पन्न करने में सक्षम होती है। यही वह तापमान है जिस पर लौह अयस्क पिघलना शुरू होता है। भट्टी के निचले भाग में मिट्टी की एक नली लगाई जाती है। इस नली को चमड़े और बांस से बनी एक पारंपरिक धौंकनी से जोड़ा जाता है, जिसे पैर से दबाकर चलाया जाता है। भट्टी में बारी-बारी से कोयला और कुचला हुआ लौह अयस्क परतों में डाला जाता है। जब भट्टी के शीर्ष पर लाल और नीली लपटें दिखाई देने लगती हैं, तो यह संकेत होता है कि धातु का पृथक्करण प्रारंभ हो चुका है। लगभग 6 से 8 घंटों की निरंतर धमन प्रक्रिया के बाद, भट्टी के तल में पिघला हुआ मैल अलग हो जाता है और शुद्ध लोहे का एक स्पंज जैसा ढेला जमा हो जाता है। इस गर्म लोहे के पिंड को बाहर निकालकर तुरंत भारी पत्थरों या हथौड़ों से पीटा जाता है, जिससे उसके भीतर की बची हुई अशुद्धियां बाहर निकल जाती हैं। असुरों द्वारा इस आदिम विधि से निर्मित लोहे की सबसे बड़ी विशेषता इसका जंग रोधी होना है। दिल्ली का प्रसिद्ध लौह स्तंभ जिस उत्कृष्ट गुप्तकालीन धातुकर्म का प्रतीक है, उसके निर्माण की मूल विधा इसी आदिम कूटन और धमन कला से प्रेरित रही है। मान्यता है कि झारखंड के गुमला जिले के डुमरी प्रखंड के मझगांव की पहाड़ियों में अवस्थित बाबा टांगीनाथ धाम में सहस्राब्दियों से गड़ा हुआ परशु नुमा अस्त्र टांगी भी इसी निर्मित है, जो सहस्राब्दियों से गड़े होने के बाद भी उस पर आज तक जंग नहीं लगा है। मान्यता है कि भगवान परशुराम इस पद्धति के आदि प्रवर्तक थे, जिनसे ही असुरों ने यह ज्ञान प्राप्त किया था। असुरों के लोहे में फास्फोरस की एक विशिष्ट मात्रा स्वतः समाहित हो जाती थी, जो लोहे के ऊपर एक सुरक्षात्मक परत बना देती है, जिससे सदियों तक खुले में रहने के बाद भी इस लोहे में जंग नहीं लगता। असुरों के लिए धातुकर्म केवल एक व्यावसायिक क्रिया नहीं, बल्कि एक पवित्र अनुष्ठान है। जब भट्टी में अयस्क पिघलाया जाता है, तो असुर महिलाएं भट्टी के समीप विशिष्ट लोकगीत गाती हैं। इन गीतों में भट्टी की तुलना एक गर्भवती माता से की जाती है और प्रार्थना की जाती है कि भट्टी से एक स्वस्थ बालक के रूप में उत्तम और प्रचुर मात्रा में लोहा बाहर आए। यह प्रकृति और तकनीक के मानवीय अंतसंबंध का एक अद्भुत उदाहरण है। उनके समाज में सांडसी (पकड़ने का उपकरण) और कुटासी (हथौड़ा) की पूजा की जाती है, जो यह सिद्ध करती है कि औजारों को वे अपने जीवन का रक्षक मानते हैं।

इतिहास की क्रूर विडंबना यह है कि जिस समुदाय ने विश्व को लोहा गलाने की कला सिखाई, आज वे आधुनिक औद्योगिक विनिर्माण और वनों के कड़े कानूनों के कारण अपनी इस कला से दूर हो गए हैं। सखुआ की लकड़ी पर प्रतिबंध और आधुनिक खनिजों के व्यावसायिक दोहन के कारण उनकी यह पारंपरिक भट्टी लगभग बुझ चुकी है। वर्तमान में केवल कुछ ही वृद्ध कारीगर बचे हैं जिन्हें इस विधा का पूर्ण व्यावहारिक ज्ञान है। टाटा स्टील जैसी बड़ी कंपनियों ने भी प्रारंभिक दौर में छोटानागपुर के इन क्षेत्रों में लौह अयस्क की खोज के लिए असुरों के इसी पारंपरिक ज्ञान का लाभ उठाया था। झारखण्ड के असुरों का धातुकर्म केवल एक जनजातीय कला नहीं, बल्कि भारत की प्राचीनतम वैज्ञानिक धरोहर है। राष्ट्रीय खेल दिवस या राष्ट्रीय लघु उद्योग दिवस जैसे अवसरों पर जब हम भारत की आत्मनिर्भरता की बात करते हैं, तो हमें अपनी इस आदिम विनिर्माण विरासत को विस्मृति के गर्त से बाहर निकालना होगा। असुरों की इस जंग रोधी लौह-कला का आधुनिक धातु विज्ञान के साथ सामंजस्य बिठाकर न केवल इस संकटग्रस्त जनजाति को आर्थिक संबल दिया जा सकता है, बल्कि भारत के प्राचीन विज्ञान के गौरव को भी वैश्विक पटल पर पुनर्स्थापित किया जा सकता है।

अशोक प्रवृद्ध

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

ब्रिटेन के ऐतिहासिक किले पर पाकिस्तानी झंडे का विवाद

ब्रिटेन के वेल्स प्रांत की राजधानी कार्डिफ में स्थित ऐतिहासिक 'कार्डिफ कैसल' (किले) पर पाकिस्तान का झंडा फहराने को लेकर ब्रिटिश राजनीति में एक बड़ा सियासी संग्राम छिड़ गया है। दक्षिणपंथी राजनीतिक दलों ने इसे ब्रिटिश संस्कृति पर कब्जा करने का प्रयास करार दिया है, जबकि स्थानीय प्रशासन और अन्य नेताओं ने इसे बहुसांस्कृतिक समाज के सम्मान और विविधता के उत्सव के रूप में प्रस्तुत किया है।यह पूरा विवाद तब गरमाया जब सितंबर 2026 की शुरूआत में रिफॉर्म पार्टी के स्थानीय काउंसलर ओवेन क्लैटवर्थी ने कार्डिफ कैसल के ऊपर लहराते पाकिस्तानी झंडे की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर पोस्ट की। देखते ही देखते यह तस्वीर इंटरनेट पर वायरल हो गई। इसके बाद रिफॉर्म यूके के वेल्श नेता डैन थॉमस और रिफॉर्म पार्टी के आर्थिक प्रवक्ता रॉबर्ट जेनरिक सहित कई बड़े नेताओं ने इस पर तीखी प्रतिक्रिया दी। नेताओं ने आरोप लगाया कि देश के ऐतिहासिक स्थलों पर किसी विदेशी झंडे का फहराया जाना ब्रिटिश पहचान और संस्कृति को कमजोर करने की कोशिश है। सोशल मीडिया पर लोग इस बात को लेकर भी आक्रोशित दिखे कि जहां एक तरफ ब्रिटेन के कुछ हिस्सों में राष्ट्रीय ध्वज हटाने की बातें होती हैं, वहीं एक ऐतिहासिक किले पर विदेशी झंडे को जगह दी जा रही है।पार्टी के वरिष्ठ सांसद रॉबर्ट जेनरिक ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा करते हुए सीधे तौर पर सवाल उठाया, कार्डिफ कैसल पर पाकिस्तान का झंडा फहराया गया है।

हम अपनी संस्कृति पर हावी होने की इस कोशिश को क्यों होने दे रहे हैं? रिफॉर्म वेल्स के प्रवक्ता ने कड़े शब्दों में कहा कि ब्रिटेन के ऐतिहासिक स्थलों पर केवल वेल्श ड्रैगन (वेल्स का राष्ट्रीय ध्वज) या यूनियन जैक (ब्रिटेन का राष्ट्रीय ध्वज) ही फहराया जाना चाहिए, इसके अलावा किसी और झंडे की कोई जगह नहीं होनी चाहिए।चौतरफा घिरने के बाद कार्डिफ काउंसिल के लेबर पार्टी नेता क्रिस वीवर ने स्थिति स्पष्ट की। उन्होंने बताया कि यह झंडा इस साल अगस्त में पाकिस्तान के स्वतंत्रता दिवस के मौके पर स्थानीय पाकिस्तानी समुदाय के योगदान को सम्मानित करने के लिए दो दिनों के लिए फहराया गया था। उन्होंने यह भी साफ किया कि इसी तरह 15 अगस्त को भारत के स्वतंत्रता दिवस पर भारत का तिरंगा भी किले पर फहराया गया था।वहीं लोकल प्रशासन के अनुसार, कार्डिफ कैसल पर विभिन्न देशों के महत्वपूर्ण राष्ट्रीय अवसरों पर झंडा फहराना काउंसिल की एक पुरानी और स्थापित परंपरा रही है। इस दौरान ब्रिटेन और वेल्स के राष्ट्रीय झंडे भी अपनी जगह पर पूरी गरिमा के साथ मौजूद थे।वेल्स की कंजर्वेटिव पार्टी की सदस्य नताशा असगर ने भी रिफॉर्म पार्टी के रुख की आलोचना की और कहा कि इस तरह के आयोजन कब्जा करने की मानसिकता नहीं, बल्कि शहर में रहने वाले विभिन्न समुदायों के प्रति सम्मान और समावेशन का प्रतीक हैं। उन्होंने रिफॉर्म पार्टी पर जानबूझकर नस्लीय और सामाजिक तनाव भड़काने का आरोप लगाया।कुल मिलाकर, कैसल का यह विवाद केवल एक झंडे तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि इसने ब्रिटेन में लंबे समय से चल रही प्रवासन और राष्ट्रीय पहचान की बहस को एक बार फिर हवा दे दी है। एक तरफ जहां लिबरल और सत्ताधारी दल इसे एक आधुनिक, बहुसांस्कृतिक और समावेशी ब्रिटेन की बानगी मान रहे हैं, वहीं दक्षिणपंथी ताकतें इसे अपनी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत के साथ खिलवाड़ मानकर इसका कड़ा विरोध कर रही हैं। फिलहाल इस मामले ने वेल्स और पूरे यूके की राजनीति के तापमान को काफी बढ़ा दिया है।

संजय सक्सेना,

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

सूडोकु नवताल- 7630

★☆☆☆☆ सरल

5	9		1		2		3	8
			4		5			
2								5
		3		5		4	8	
	7						1	
	5	8		6		9		
8								1
			2		9			
3	4		6		7		5	2

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल -7629 का हल

4	6	2	3	5	8	9	1	7
8	1	7	9	2	6	3	5	4
3	5	9	1	7	4	8	2	6
6	4	1	5	3	7	2	8	9
2	7	5	8	4	9	6	3	1
9	3	8	2	6	1	4	7	5
1	2	3	6	9	5	7	4	8
5	9	4	7	8	2	1	6	3
7	8	6	4	1	3	5	9	2

- *प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.*
- *प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.*
- *पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .*
- *पहेली का केवल एक ही हल है.*

दैनिक पंचांग

11 सितम्बर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

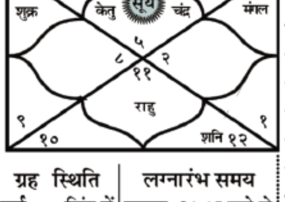

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	सिंह में	कन्या	06.15 बजे से
चंद्र	सिंह में	तुला	08.25 बजे से
मंगल	मिथुन में	वृश्चिक	10.40 ब.से
बुध	कन्या में	धनु	12.56 बजे से
गुरु	कर्क में	मकर	15.01 बजे से
शुक्र	तुला में	कुंभ	16.48 बजे से
शनि	मीन में	मीन	18.21 बजे से
राहु	कुंभ में	मेष	19.51 बजे से
केतु	सिंह में	वृष	21.31 बजे से
		मिथुन	23.29 बजे से
		कर्क	01.43 बजे से
		सिंह	03.59 बजे से

राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक

शुक्रवार 2026 वर्ष का 254 वा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** भाद्रपद (दक्षिण भारत में श्रावण) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** अमावस्या 08.57 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** पूर्वाफाल्गुनी 13.16 बजे को समाप्त। **योग** साध्य 17.02 बजे को समाप्त। **करण** नाग 08.57 बजे तदनन्तर किंस्तुघ्न 20.18 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.3 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 04° 38' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872829 **जूलियन दिन** 2461294.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1448 **महीना** रवि उलावल **तारीख** 28 **विशेष** भाद्रपद अमावस्या, तान्हा पोला।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
चर	05.55 से 07.23 बजे तक	रोग	05.38 से 07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से 08.51 बजे तक	काल	07.11 से 08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से 10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से 10.15 बजे तक
काल	10.19 से 11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से 11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से 01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से 01.19 बजे तक
रोग	01.15 से 02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से 02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से 04.10 बजे तक	चर	02.51 से 04.23 बजे तक
चर	04.10 से 05.38 बजे तक	रोग	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

आदमी घर में बैठा है, सरकारी कागज उसे ढूंढ रहा है

उत्तराखंड में मतदाता सूची की सफाई शुरू हुई तो लगा, जैसे लोकतंत्र के पुराने घर में झाड़ू चल रही हो। धूल हटनी ही चाहिए, लेकिन झाड़ू लगते-लगाते एक चौंकाने वाला सच सामने आया–उधम सिंह नगर, हरिद्वार, देहरादून और नैनीताल, इन चार मैदानी जिलों से ही नाम हटाने के करीब 80-85 प्रतिशत आवेदन आए हैं। पहाड़ खामोश हैं, मैदानों में हलचल है। सवाल सूची की सफाई पर नहीं, इस असमानता पर है–आखिर इतनी ह्यगंदगीह्न इन्हीं चार जिलों में क्यों मिली? लोकतंत्र में आंकड़े मौन जरूर होते हैं, मगर कभी-कभी उनका मौन ही सबसे तीखा सवाल बन जाता है।

मतदाता सूची में मृत, स्थानांतरित, दोहरी या गलत प्रविष्टियां हों तो उन्हें हटाना व्यवस्था की जिम्मेदारी है। मगर सफाई और छंटाई में फर्क है–घर की धूल हटाई जाती है, घर के लोग नहीं। उत्तराखंड के पहाड़ों से मैदानों की ओर वर्षों से पलायन हुआ। लोग यहां बसे, घर बनाए, बच्चों को पढ़ाया, दुकानें खोलीं, मजदूरी और नौकरियां कीं और इसी मिट्टी में अपने जीवन की जड़ें जमा दीं। कई वर्षों से वोट देते आए ये लोग अब अचानक संदेह के घेरे में हों तो मामला कागज से आगे बढ़ जाता है। तब आदमी को अपने ही घर में यह साबित करना पड़ता है कि वह सचमुच इसी घर का है।

फॉर्म-7 इस कहानी का छोटा-सा कागज है, लेकिन उसके पीछे बड़ा सवाल है–आवेदन कौन कर रहा है और किस आधार पर? कोई इसे घुसपैठ से जोड़ रहा है, कोई दोहरी प्रविष्टि से। राजनीतिक दल अपने-अपने चश्मे से तस्वीर देख रहे हैं और प्रशासन नियम-कायदों के बीच रास्ता तलाश रहा है। मगर इन सबके बीच आम मतदाता अकेला खड़ा है–न उसके पास माइक है, न मंच, न अपनी बात कहने का कोई प्रभावशाली सहारा। उसके पास बस उसका नाम है। डर यही है कि अगली सूची में कहीं वही नाम न हो। जिस बुजुर्ग ने वर्षों मतदान किया, उसका नाम एक दिन गायब मिले तो यह महज कंप्यूटर की गलती नहीं, लोकतंत्र के दरवाजे पर उसके लिए बंद हुआ एक किवाड़ है।

चार जिलों में ही इतने आवेदन क्यों आए–इस सवाल का जवाब जरूरी है। मैदानों में आबादी अधिक है, प्रवासी, मजदूर, व्यापारी और अलग-अलग जगहों से आकर बसे परिवार भी अधिक हैं; इसलिए सूची में बदलाव की संभावना स्वाभाविक है। लेकिन सवाल फिर भी बचता है–पहाड़ों में नाम कम हट रहे हैं तो क्या वहां सब कुछ अपने आप सही है? क्या कम आवेदन शुद्धता की गारंटी हैं? या मैदानों की भीड़ को ही संदेह की पहली सीढ़ी मान लिया गया है? पहाड़ का सन्नाटा शुद्धता और मैदान की भीड़ गड़बड़ी मान लेना आसान है। मगर लोकतंत्र सुविधा से नहीं, सबके लिए एक जैसी कसौटी से चलता है।

सत्ता को सफाई हमेशा पसंद आती है–सड़कें साफ हों, दफ्तर साफ हों, फाइलें साफ हों और मतदाता सूची भी साफ हो, इससे भला किसे आपत्ति होगी? मुश्किल तब शुरू होती है, जब सफाई के नाम पर यह तय होने लगे कि कौन ह्यअनावश्यकह्न है। गलत नाम हटाना जरूरी है, लेकिन सही नागरिक को महज संदेह के आधार पर सूची से बाहर करना लोकतंत्र के साथ बड़ी भूल होगी। कागजों की दुनिया में इंसान धीरे-धीरे सिर्फ एक ह्यएंट्रीह्न बन जाता है; एंट्री गलत हुई तो आदमी भी गलत ठहर जाता है। फिर सवाल यह नहीं रहता कि तुम कौन हो, सवाल बन जाता है–साबित करो कि तुम वही हो, जो कल तक थे।सबसे चिंता की बात नाम हटने की संख्या नहीं, बल्कि उस पूरी प्रक्रिया की पारदर्शिता है। जब इतने बड़े पैमाने पर आवेदन आए हैं तो उनकी जांच भी उतनी ही गंभीर, निष्पक्ष और स्पष्ट होनी चाहिए। कौन आवेदन कर रहा है, किस आधार पर और सत्यापन किस तरह हो रहा है–इन सवालों का जवाब व्यवस्था को देना ही होगा। आवेदन पड़ोसी ने किया, प्रतिद्वंद्वी ने या किसी संगठित तंत्र ने–अनुमान से ज्यादा जरूरी निष्पक्ष जांच है। लोकतंत्र में नाम जोड़ना कृपा नहीं और नाम हटाना सजा नहीं। हर आवेदन को सच मान लेना जितना खतरनाक है, हर शिकायत को राजनीतिक साजिश मान लेना भी उतना ही गलत।

मतदाता सूची कोई साधारण सरकारी रजिस्टर नहीं, वह समाज की नागरिक स्मृति है। उसमें दर्ज हर नाम इस बात की गवाही है कि एक इंसान की आवाज लोकतंत्र तक पहुंचती है। मजदूर हो या व्यापारी, प्रवासी परिवार हो या बूढ़ा नागरिक–हर नाम के पीछे एक जीवन, एक संघर्ष और एक उम्मीद है। नाम मिटाना कुछ सेकंड का काम हो सकता है, लेकिन उससे जन्मा अविश्वास वर्षों तक पीछा करता है। लोकतंत्र की स्याही कागज पर सूख जाती है, मगर भरोसे पर पड़ी खरोंच आसानी से नहीं मिटती। इसलिए सफाई ऐसी हो जिसमें गलतियां हटें, नागरिक नहीं; दोहरी प्रविष्टियां मिटें, किसी का अधिकार नहीं।

उत्तराखंड की यह पहेली किसी दल, समुदाय या जिले भर की समस्या नहीं, पूरी व्यवस्था की परीक्षा है। चार मैदानी जिलों से 80-85 प्रतिशत नाम हटाने के आवेदन आए हैं तो यह आंकड़ा जांच मांगता है, फैसला नहीं। पहाड़ों की शांति को भी पूर्ण शुद्धता का प्रमाण नहीं माना जा सकता। हर नाम पर समान नियम, हर शिकायत पर समान जांच और हर नागरिक को समान अधिकार–यही लोकतंत्र की असली कसौटी है। चुनाव केवल मशीन, बूथ और मतपत्र नहीं, उस भरोसे का नाम है जिसमें नागरिक को यकीन होता है कि उसकी आवाज गिनी जाएगी। इसलिए आखिरी सवाल यही है–हम मतदाता सूची साफ कर रहे हैं या लोकतंत्र का आईना? आईना साफ होना चाहिए, मगर उसे पोंछते-पोंछते उसमें दिखने वाले चेहरे ही मिट जाएं, तो उस साफ आईने का अर्थ ही क्या रह जाएगा?

प्रो. आरके जैन अरिजीत

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संक्षिप्त समाचार

बोको हराम के खिलाफ अभियान के लिए नाइजीरिया ने नियुक्त किया नया कमांडर

अबुजा। नाइजीरिया ने देश के पूर्वोत्तर हिस्से में बोको हराम और इस्लामिक स्टेट से जुड़े उसके धड़े आईएसडब्ल्यूएपी के खिलाफ सैन्य अभियान के लिए नए कमांडर की नियुक्ति की है। सेना के अनुसार, मेजर जनरल इबिकुनले अदेमोला अजोस अब ऑपरेशन हदीन काई की कमान संभालेंगे। उन्होंने मेजर जनरल अब्दुलसलाम अबुबकर का स्थान लिया है। अजोस इससे पहले अबुजा स्थित सेना मुख्यालय में तैनात थे। अबुबकर ने अप्रैल 2025 में ऑपरेशन हदीन काई के 15वें कमांडर के रूप में जिम्मेदारी संभाली थी। दो साल से भी कम समय में कमान में यह बदलाव ऐसे समय हुआ है, जब नाइजीरिया में आगामी जनवरी में राष्ट्रपति चुनाव होने हैं और सुरक्षा व्यवस्था एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। बोको हराम और उसके अलग हुए संगठन इस्लामिक स्टेट वेस्ट अफ्रीका प्रोविंस (आईएसडब्ल्यूएपी) का विद्रोह 2009 से जारी है। आर्म्ड कॉन्फ्लिक्ट लोकेशन एंड इवेंट डेटा प्रोजेक्ट (एसीएलईडी) के आंकड़ों के अनुसार, इस हिंसा में अब तक 40 हजार से अधिक लोगों की मौत हुई है और लाखों लोग विस्थापित हुए हैं। नाइजीरियाई सेना ने कमांडर बदलने को हालिया किसी हमले से नहीं जोड़ा है। सेना की प्रवक्ता अपोलोनिया एनेले के अनुसार, यह 15 अन्य जनरलों को शामिल करने वाले व्यापक सैन्य फेरबदल का हिस्सा है। इसका उद्देश्य सैन्य अभियानों की प्रभावशीलता बढ़ाना, नेतृत्व मजबूत करना और बदलती सुरक्षा चुनौतियों के अनुरूप कमान व्यवस्था को बेहतर बनाना है।

पाकिस्तान में मुस्लिम ने बनाई गणेश प्रतिमा, सड़कों पर गूंजे बप्पा के नारे

इस्लामाबाद। सोशल मीडिया पर इन दिनों पाकिस्तान के करांची से आया एक वीडियो खूब वायरल हो रहा है। आमतौर पर इंटरनेट पर दोनों मुल्कों के बीच कड़वाहट ही देखने को मिलती है, लेकिन इस वायरल वीडियो में जो नजारा देखने को मिला, उसने हर किसी का दिल छू लिया और लोगों के दिलों में मिठास घोल दी। वीडियो में करांची की सड़कों पर गणपति उत्सव की ऐसी रौनक देखने को मिली, जिसकी किसी ने कल्पना भी नहीं की थी। इंस्टाग्राम पर एक यूजर ने यह वीडियो शेयर किया है। वीडियो में करांची के पुराने गणेश मठ मंदिर का दृश्य दिखाया गया है। बताया जा रहा है कि इस मंदिर की देखभाल वहां रहने वाला एक मराठी परिवार करता है, लेकिन वीडियो में सबसे प्यारी और खास बात तब देखने को मिली जब नजर मूर्ति बना रहे कलाकार पर पड़ी। वीडियो में साफ देखने को मिला कि सिर पर टोपी लगाए एक मुस्लिम कारीगर गणेश जी की मूर्ति को आकार दे रहा है। बड़े प्यार और ध्यान से उसमें रंग भर रहा है। वह पूरी लगन से बप्पा की मूरत को निखारने में जुटा था। वीडियो पर लिखा था- कौन हिंदू? कौन मुस्लिम? बप्पा का आशीर्वाद और करांची की खूबसूरती। यह बात लोगों को बहुत पसंद आई और लोग इसे दोनों देशों के लोगों के प्यार से जोड़ रहे हैं। कह रहे हैं त्योहर कोई भी हो यह लोगों को मिलते हैं ना कि नफरत फैलाते हैं। एक और क्लिप में करांची की सड़कों का नजारा देखने को मिला, जहां फूलों से सजी गाड़ी में गणपति का जुलूस निकाला जा रहा था। वीडियो में करांची की मराठी महिलाएं हरी साड़ी, नाक में पारंपरिक नथ और हरी चूड़ियां पहने नजर आईं। वीडियो में साफ सुना जा सकता है कि महिलाएं हाथ में माइक लेकर पूरे जोश के साथ मराठी में भजन गा रही हैं। बप्पा का रथ करांची की गलियों से निकल रहा था और वहां हिंदू-मुस्लिम शांति और सम्मान के साथ इस उत्सव को देख रहे थे। इंटरनेट पर आते ही इस वीडियो ने लोगों का ध्यान खींच लिया। वीडियो में देखने को मिले इस प्यार और भाईचारे की वजह से इसे 34 लाख से ज्यादा लाइक्स मिल चुके हैं। कमेंट बॉक्स में भारत और पाकिस्तान, दोनों तरफ के लोग खुलकर प्यार लुटा रहे हैं। लोगों का कहना है कि वायरल वीडियो में देखने को मिली यह तस्वीर साबित करती है कि इंसानियत, कला और भक्ति के आगे सरहद की कोई दीवारें और नफरत नहीं टिक सकती है। यह तस्वीर हमें दिखाती है कि हमें हर त्योहर भाईचारे से मना चाहिए चाहे हम किसी भी धर्म-देश के ही क्यों न हों।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी भी 80 के दशक वाले फोटो ट्रेंड में शामिल हुए

हैदराबाद। सोशल मीडिया पर इन दिनों नया एआई फोटो ट्रेंड छाया हुआ है, जिसमें लोग घुंघराले बाल, ढीली पैंट, विंटेज बाइक, कारों और ओल्ड-स्कूल बॉलीवुड वाइब्स के साथ खुद को 80 के दशक के अवतार में ढाल रहे हैं। इस ट्रेंड में शामिल होने वाले नवीनतम राजनेता कोई और नहीं बल्कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी हैं। गुरुवार को इंस्टाग्राम का रुख करते हुए, रेवंत रेड्डी ने चैटजीपीटी का उपयोग करके बनाई गई अपनी एक एआई-जनरेटेड तस्वीर शेयर की। यह तस्वीर 1980 के दशक की एक क्लासिक रेट्रो-फिल्म जैसा लुक देती है, जिसमें मुख्यमंत्री भूरे रंग के ब्लेजर, चौड़े कॉलर वाली क्रीम शर्ट और हाई-वेस्टेड भूरे रंग की पतलून पहने नज़र आ रहे हैं। वे एक क्लासिक यामाहा RX100 मोटरसाइकिल के सहारे स्मार्ट पोज देते दिखाई दे रहे हैं, जबकि पृष्ठभूमि में पुराने पोस्टर, साइकिलें, पौधे और रेट्रो साइनबोर्ड लगे हैं। फोटो के वार्म टोन्स, ग्रेनी टेक्सचर और विंटेज परिवेश इसे किसी पुरानी फिल्म के दृश्य जैसा बनाते हैं। उन्होंने फोटो का कैप्शन बस इतना दिया, "80 के दशक के ट्रेंड से जुड़ते हुए...।" इस पोस्ट ने सोशल मीडिया पर तेजी से ध्यान आकर्षित किया और उपयोगकर्ताओं ने कमेंट्स की झड़ी लगा दी। एक यूजर ने लिखा, "प्रजापालना मूवी के हीरो हैं सर आप तो," जबकि दूसरे ने लिखा, "ट्रेंड में चल रहे अन्ना।" कई अन्य लोग यह जानने के लिए उत्सुक थे कि इस शानदार तस्वीर को बनाने के लिए किस प्रॉम्प्ट का इस्तेमाल किया गया था। हालांकि, हर कोई इससे प्रभावित नजर नहीं आया। कुछ उपयोगकर्ताओं ने सोशल मीडिया ट्रेंड में शामिल होने के लिए मुख्यमंत्री की आलोचना की और कहा कि उन्हें पहले अपने कर्तव्यों और वादों को पूरा करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। मुख्यमंत्री का यह एआई अवतार ऐसे समय में आया है, जब विपक्षी बीआरएस के नेता एआई फोटो पोस्ट को लेकर सदन में दिए गए मुख्यमंत्री के बयान के खिलाफ आक्रामक हैं। बीआरएस ने इस सवाल को लेकर प्रीविलेज मोशन लाने का मन बनाया है।

कोर्ट का रक्षाकवच हटते ही तृणमूल सांसद अभिषेक के सहायक सुमित राय गिरफ्तार

कोलकाता। उच्चतम न्यायालय से रक्षाकवच हटने के कुछ ही देर बाद पश्चिम बंगाल सीआईडी और एसटीएफ ने तृणमूल कांग्रेस के सांसद अभिषेक बनर्जी के सहायक सुमित राय को गिरफ्तार कर लिया। शालबनी जमीन भ्रष्टाचार मामले में गिरफ्तारी के बाद सुमित राय को पूछताछ के लिए भवानी भवन ले जाया गया। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने विधानसभा में सुमित राय की गिरफ्तारी की पुष्टि की। उन्होंने यह भी कहा कि सुमित राय भाई को का मेन कलेक्टर (वसूली करने वाला) था। गुरुवार को उच्चतम न्यायालय द्वारा सुमित राय को मिली कानूनी सुरक्षा समाप्त किए जाने के बाद जांच एजेंसियां तत्काल सक्रिय हो गईं। कुछ ही समय में सीआईडी और एसटीएफ की एक बड़ी टीम कालीघाट स्थित 121, कालीघाट रोड पहुंची। जांच अधिकारियों को सूचना मिली थी कि सुमित राय उस समय अभिषेक बनर्जी के आवास पर मौजूद हैं। इसके बाद अधिकारी वीडियोग्राफर के साथ मौके पर पहुंचे। अधिकारियों के पहुंचने पर आवास के मुख्य द्वार पर ताला लगा मिला। इसके बाद अधिकारियों ने आवाज देकर गेट खुलवाया। आरोप है कि अंदर प्रवेश के दौरान सुरक्षा कर्मियों के साथ अधिकारियों की धक्का-मुक्की भी हुई। सुरक्षा व्यवस्था को पार करते हुए सीआईडी अधिकारी परिसर के भीतर दाखिल हुए। अंदर पहुंचने के बाद अधिकारियों ने सुमित राय को घेर लिया और काफी देर तक उससे पूछताछ की। इसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर जांच एजेंसियों की गाड़ी में बैठाया गया। पूरी कार्रवाई की सीआईडी की ओर से वीडियोग्राफी भी कराई गई। शालबनी जमीन मामले में सुमित राय से आगे पूछताछ की जाएगी।

भारत मंडपम में 27-28 अक्टूबर तक होगा इस्टिक 2026 का आयोजन

एजेंसी, नई दिल्ली

विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार के क्षेत्र में आयोजित होने वाला इस्टिक 2026 (इमर्जिंग टेक्नोलॉजी, साइंस, इनोवेशन & कोलोबोरेशन समिट) का आयोजन 27 से 29 अक्टूबर तक भारत मंडपम में किया जाएगा। तीन दिवसीय इस आयोजन में देश-विदेश के वैज्ञानिक, शोधकर्ता, उद्योग जगत के प्रतिनिधि, स्टार्टअप, नीति-निर्माता, शिक्षाविद और नवाचार से जुड़े विशेषज्ञ एक मंच पर जुटेंगे।

सम्मेलन के दौरान आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), क्वांटम टेक्नोलॉजी, अंतरिक्ष विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी, डीप-टेक, ब्लू इकोनॉमी, सेमीकंडक्टर, साइबर सुरक्षा और सतत विकास जैसे उभरते क्षेत्रों पर विस्तृत चर्चा होगी। इसके अलावा प्रदर्शनी, तकनीकी सत्र, विशेषज्ञ व्याख्यान, स्टार्टअप शोकेस, बी टू बी बैठकें और उद्योग-अकादमिक सहयोग को बढ़ावा देने वाले विशेष कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे।

गुरुवार को प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार प्रोफेसर अजय कुमार सूद ने बताया कि इस कॉन्क्लेव में तीन नोबेल पुरस्कार विजेता भाग ले रहे हैं। इसके अलावा तीन हजार से ज्यादा डेलिगेट्स इसमें आयेंगे जिसमें ज्यादातर युवाओं की भागीदारी रहेगी।

उन्होंने बताया कि इस कॉन्क्लेव का उद्देश्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोग को बढ़ावा देना, नवाचार को प्रोत्साहित करना, अनुसंधान और उद्योग के बीच साझेदारी को मजबूत करना तथा भारत को वैश्विक विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में नए अवसर तैयार करना है। सम्मेलन में 19 से ज्यादा केंद्रीय मंत्रालयों, वैज्ञानिक संस्थानों, उद्योग संगठनों और अंतराष्ट्रीय प्रतिनिधियों की भागीदारी भी प्रस्तावित है।

इस मौके पर केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि भारत डीप ओशन मिशन के तहत लगातार नई उपलब्धियां हासिल कर रहा है। डीप ओशन मिशन भारत की वैज्ञानिक क्षमताओं को नई ऊंचाई देगा और इसके माध्यम से देश ब्लू इकोनॉमी के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले लगभग कई दशक तक इस क्षेत्र पर अपेक्षित ध्यान नहीं दिया गया था लेकिन अब सरकार समुद्री संसाधनों के बेहतर उपयोग और आर्थिक विकास के नए अवसरों पर व्यापक स्तर पर काम कर रही है। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि सरकार ब्लू इकोनॉमी को बढ़ावा देने के लिए बड़े पैमाने पर प्रयास कर रही है।

आस्था के आगे आधुनिक तकनीक बेअसर

उज्जैन में टस से मस नहीं हुईं 'खड़े हनुमान जी' की सिद्ध प्रतिमा

एजेंसी, उज्जैन

सिंहस्थ 2028 की तैयारियों के बीच बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन में आस्था, इतिहास और आधुनिक तकनीक आमने-सामने खड़े दिखाई दे रहे हैं। कंठाल चौराहे और छत्री चौक के बीच स्थित प्राचीन 'खड़े हनुमान जी' की प्रतिमा को सड़क चौड़ीकरण के लिए स्थानांतरित करने के प्रशासनिक प्रयासों को दस दिन बीत चुके हैं, लेकिन प्रतिमा अपने स्थान से नहीं हिली। दरअसल, प्रतिमा को हटाने के लिए क्रेन, पोकलेन और भारी मशीनरी का इस्तेमाल किया गया। कई प्रयासों के दौरान मशीनों पर अत्यधिक दबाव पड़ा और जंजीरों के टूटने की घटनाएं भी सामने आईं। इसके बाद प्रतिमा की सुरक्षा को लेकर तकनीकी विशेषज्ञों और पुरातत्व विशेषज्ञों की राय को महत्व दिया जा रहा है।

उल्लेखनीय है कि, सिंहस्थ के मद्देनजर शहर के प्रमुख मार्गों को चौड़ा करने की योजना पर काम चल रहा है। इसी क्रम में कंठाल क्षेत्र के इस प्राचीन मंदिर को भी मार्ग विस्तार के दायरे में लिया गया। मंदिर के बाहरी

हिस्से को हटाने के बाद जब प्रतिमा को स्थानांतरित करने की कोशिश शुरू हुई तो अपेक्षित परिणाम नहीं मिला। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, पहले हाइड्रोलिक क्रेन की मदद ली गई। इसके बाद अधिक क्षमता वाली मशीनें और पोकलेन भी मौके पर पहुंचाई गईं। प्रतिमा को सुरक्षित तरीके से उठाने के लिए जंजीरों और अन्य उपकरणों का सहारा लिया गया, पर प्रयास सफल नहीं हुए। प्रशासनिक और तकनीकी स्तर पर कई दौर के प्रयासों के बाद अब प्रतिमा पर अत्यधिक यांत्रिक बल लगाने से बचा जा रहा है। खड़े हनुमान जी की प्रतिमा को स्थानीय स्तर पर लंबे समय से करीब 170 वर्ष पुराना माना जाता रहा है। हालांकि, प्रतिमा की बनावट, पत्थर और शिल्प को लेकर प्रारम्भिक चर्चाओं ने इसके इतिहास को और पुराना होने की संभावना सामने रखी है।

बीआरएस नेता ने मुख्यमंत्री पर लगाया अपने भाई को सरकारी जमीन देने का आरोप

एजेंसी, हैदराबाद

भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामाराव, पार्टी नेता हरीश राव और अन्य विधायकों के साथ गुरुवार को हैदराबाद से सटे महेश्वरम के तुक्कुगुड़ा पहुंचे, ताकि टेसरेक्ट (Tesseract) कंपनी को आवंटित की गई सरकारी जमीन का निरीक्षण कर सकें। इस कंपनी का संबंध कथित तौर पर कोंडल रेड्डी से बताया जा रहा है। कोंडल रेड्डी, तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के भाई हैं।

बीआरएस ने आरोप लगाया कि करीब 200 करोड़ रुपये की जमीन 'टेसरेक्ट' को मात्र 7 करोड़ रुपये में आवंटित कर दी गई। मुख्यमंत्री पर अपने परिवार के सदस्यों को फायदा पहुंचाने के लिए यह आवंटन कराने का आरोप लगाया। केटीआर ने रेवंत रेड्डी की "दिन में 18 घंटे काम करने" वाली टिप्पणी को याद दिलाते हुए सवाल किया कि वे इन सभी घंटों में किसके फायदे के लिए काम कर रहे हैं।

केटीआर ने पूछा है कि अगर तेलंगाना का कोई युवा आज सिर्फ 1 लाख रुपये की पूंजी के साथ कोई कंपनी शुरू करे तो क्या आप उसे 200 करोड़ रुपये की जमीन आवंटित करेंगे?" उन्होंने कहा कि एक तरफ राहुल गांधी इजराइल के साथ सौदों को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर सवाल उठाते हैं, वहीं रेवंत रेड्डी अपने भाई को एयरोस्पेस और डिफेंस वेंचर स्थापित करने के लिए एक इजराइली इनोवेशन कंपनी के साथ साझेदारी करने की इजाजत दे रहे हैं।

सागर शराबकांड के तीन आरोपितों के मकानों पर चला बुलडोजर

एजेंसी, सागर

मध्य प्रदेश के सागर जिले में बंडा-शाहगढ़ क्षेत्र में जहरीली शराब से हुई मौतों के मामले में प्रशासन ने गुरुवार को आरोपितों की संपत्तियों पर बड़ी कार्रवाई की। पुलिस और प्रशासन की संयुक्त टीम ने बंडा के वार्ड नंबर 11 और 12 में तीन आरोपितों से जुड़े पांच मकानों के कथित अवैध निर्माणों को बुलडोजर से हटाया। कार्रवाई के दौरान तीन जेसीबी मशीनें और भारी पुलिस बल तैनात रहा। प्रशासन के अनुसार, कार्रवाई मुख्य आरोपी बताए जा रहे चंद्रभान सिंह राजपूत उर्फ चंदू, आशीष साहू और मनीष लोधी से जुड़े निर्माणों पर की गई। कुल पांच मकानों पर कार्रवाई की गई है। प्रशासन की टीम सबसे पहले चंद्रभान सिंह राजपूत के मकान पर पहुंची। इसके बाद आशीष साहू और मनीष लोधी से जुड़े मकानों पर भी

कार्रवाई की गई। प्रशासन का कहना है कि राजस्व रिकॉर्ड और जांच के आधार पर चिह्नित किए गए कथित अवैध निर्माणों और अतिक्रमण को हटाया जा रहा है। आशीष साहू के एक मकान को पूरी तरह गिरा दिया गया है। मनीष लोधी से जुड़े तीन मकानों में भी कथित अवैध हिस्से हटाए गए। कार्रवाई के दौरान परिवार के सदस्यों और सुरक्षाकर्मियों के बीच बहस की स्थिति भी बनी।

एसडीएम संजय जैन के अनुसार, मुख्यमंत्री के निर्देश और जीरो टॉलरेंस नीति के तहत अवैध शराब कारोबार से जुड़े आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि शासकीय भूमि पर अतिक्रमण, अनाधिकृत निर्माण और कृषि भूमि पर कब्जे की शिकायतों की जांच की जा रही है।एसडीएम के मुताबिक सिमरिया गांव में भी कृषि भूमि पर अनाधिकृत कब्जे की जानकारी मिली है। वहां शाहगढ़ तहसीलदार के स्तर पर कार्रवाई की जा रही है। अन्य आरोपियों की संपत्तियों की भी जांच की जा रही है और रिकॉर्ड में अनियमितता मिलने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

बंडा-शाहगढ़ क्षेत्र में जहरीली शराब पीने से मौतों को लेकर अलग-अलग आंकड़े सामने आ रहे हैं। ताजा रिपोर्टों में 28 मौतों का दावा किया गया है, जबकि प्रशासन की ओर से 15 मौतों की पुष्टि की गई है। कई मरीजों के अस्पतालों में उपचाररत होने की भी जानकारी है। मामले में मौतों की वास्तविक संख्या और कारणों को लेकर जांच जारी है। पोस्टमार्टम और चिकित्सकीय रिपोर्ट के आधार पर मौतों की वजह की पुष्टि की जा रही है। एक रिपोर्ट के अनुसार 12 मृतकों की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मेथनॉल विषाक्तता सामने आने की बात कही गई है। जहरीली शराब मामले की जांच में पुलिस ने अवैध शराब के अंतरराज्यीय नेटवर्क का खुलासा करने का दावा किया है। बंडा और विनायका थाना क्षेत्रों में कार्रवाई के दौरान कुल 16 आरोपियों की गिरफ्तारी की जानकारी सामने आई है। वहीं, कुछ मुख्य आरोपियों की गिरफ्तारी पर इनाम घोषित किया गया है। मामले में सरकार ने जांच का दायरा भी बढ़ाया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जहरीली शराब कांड की न्यायिक जांच के आदेश दिए हैं। इसके साथ ही प्रशासनिक स्तर पर भी बदलाव किए गए हैं। इससे पहले कलेक्टर स्तर से मामले की मजिस्ट्रियल जांच के आदेश भी दिए गए थे।

RASHTRIA MUKHYADHARA

न्यायमूर्ति अल्पेश कोगजे बने मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश, राज्यपाल ने दिलाई शपथ

एजेंसी, भोपाल

न्यायमूर्ति अल्पेश यशवंत कोगजे ने गुरुवार को यहां लोकभवन के सांदीपनि सभागार में आयोजित एक सादे समारोह में मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के 30वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ली। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने उनको शपथ दिलाई।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी उपस्थित रहे। राज्यपाल पटेल और मुख्यमंत्री यादव ने शपथ ग्रहण के बाद नव नियुक्त मुख्य न्यायाधीश कोगजे को पुष्प-गुच्छ भेंट कर बधाई और शुभकामनाएं दीं। मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल ने शपथ ग्रहण समारोह का संचालन किया। उन्होंने राष्ट्रपति द्वारा मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश अल्पेश यशवंत कोगजे को नियुक्त किए जाने की अधिसूचना का वाचन किया। समारोह का प्रारंभ और समापन राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् तथा राष्ट्रगान जन-गण-मन के गायन के साथ हुआ।

शपथ ग्रहण के साथ ही मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय को करीब तीन महीने बाद स्थायी मुख्य न्यायाधीश मिल गया है। इससे पहले न्यायमूर्ति विवेक रुसिया कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश के रूप में जिम्मेदारी संभाल रहे थे।

शपथ ग्रहण समारोह में विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर, उप मुख्यमंत्री द्वय जगदीश देवड़ा और राजेन्द्र शुक्ल, कौशल विकास एवं रोजगार राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम टेटवाल, महापौर मालती राय, मध्य प्रदेश मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष अवधेश प्रताप सिंह, पूर्व राज्यपाल कप्तान सिंह सोलंकी, न्यायमूर्ति जी.एस. अहलूवालिया, न्यायमूर्ति सुबोध अभ्यंकर, न्यायमूर्ति संदीप एन. भट्ट, न्यायमूर्ति विनय सराफ, न्यायमूर्ति रमेश फड़के, मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल धरमिंदर सिंह, अपर मुख्य सचिव डॉ. शिवशेखर शुक्ला और संजय शुक्ल, राज्यपाल के प्रमुख सचिव डॉ. नवनीत मोहन कोठारी, पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना, विधायक, सांसद मध्य प्रदेश, गुजरात और उत्तर प्रदेश राज्य के उच्च न्यायालयों के न्यायमूर्तिगण, वरिष्ठ प्रशासनिक, न्यायिक अधिकारी, अधिवक्ता और आयोगों के पदाधिकारी मौजूद थे।

गौरतलब है कि न्यायमूर्ति कोगजे इससे पहले गुजरात उच्च न्यायालय में न्यायाधीश के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे थे। उच्चतम न्यायालय की कॉलेजियम ने 31 अगस्त 2026 को उनके नाम की सिफारिश की थी, जिसे राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु की मंजूरी के बाद केंद्र सरकार ने 5 सितंबर 2026 को अधिसूचित कर दिया था। शपथ ग्रहण के बाद न्यायमूर्ति कोगजे भोपाल से जबलपुर पहुंचेंगे। वे 11 सितंबर को मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय में मुख्य न्यायाधीश के रूप में कार्यभार संभालेंगे।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार दो दिवसीय दौरे पर गुजरात पहुंचे

एजेंसी, अहमदाबाद

भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार अपने दो दिवसीय गुजरात दौरे पर गुरुवार को अहमदाबाद पहुंचे। अहमदाबाद हवाई अड्डे पर राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी संदीप सागले, अहमदाबाद के कलेक्टर भव्य वर्मा सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।

गुजरात प्रवास के दौरान मुख्य चुनाव आयुक्त सबसे पहले साबरमती आश्रम पहुंचकर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। इसके बाद, वे गुजरात की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से परिचित होने के लिए ऐतिहासिक अडालज की बावड़ी का दौरा करेंगे। ज्ञानेश कुमार अहमदाबाद प्रबंधन संघ (एएमए) परिसर में प्रबुद्ध नागरिकों के साथ 'भारत में चुनावों का संचालन— विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र' विषय पर संवाद भी करेंगे।

दौरे के दूसरे दिन 11 सितंबर को वे गुजरात विश्वविद्यालय स्थित अटल कलाम सभागार में राज्यभर के 500 से अधिक बूथ स्तर अधिकारियों (बीएलओ) के साथ संवाद करेंगे। इसके बाद शेला स्थित एयूडीए सभागार में 1,000 से अधिक मतदाता साक्षरता क्लब (ईएलसी) के सदस्यों से संवाद कर उन्हें प्रोत्साहित करेंगे।

रेल कर्मचारियों की सुविधा के लिए 80 बेड के अत्याधुनिक नए रनिंग रूम को मंजूरी

एजेंसी, नई दिल्ली

उत्तर रेलवे के जम्मू मंडल ने रेल कर्मचारियों, विशेष रूप से लोको पायलट और ट्रेन मैनेजरों की सुविधा एवं कल्याण को ध्यान में रखते हुए जम्मू तवी रेलवे स्टेशन पर 80 बेड क्षमता वाले नए रनिंग रूम के निर्माण को मंजूरी दी है। इसके साथ ही एकीकृत क्रू लॉबी के निर्माण का भी प्रस्ताव है।

जम्मू तवी स्टेशन पर वर्तमान रनिंग रूम पुराना होने के कारण कर्मचारियों को पर्याप्त सुविधाएं उपलब्ध कराने में कठिनाई हो रही थी। ट्रेनों की संख्या और रनिंग स्टाफ की बढ़ती जरूरतों को देखते हुए लंबे समय से आधुनिक रनिंग रूम की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। इसी को ध्यान में रखते हुए रेलवे प्रशासन ने नई परियोजना को स्वीकृति प्रदान की है। प्रस्तावित रनिंग रूम में कर्मचारियों के लिए आरामदायक ठहरने की व्यवस्था के साथ वातानुकूलित कमरे, स्वच्छ शौचालय, गुणवत्तापूर्ण भोजन और शांत वातावरण जैसी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने की योजना है। इसका उद्देश्य ड्यूटी के बाद रनिंग स्टाफ को पर्याप्त विश्राम उपलब्ध कराना है, ताकि वे अगली ड्यूटी के लिए पूरी तरह तरोताजा होकर तैयार हो सकें। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, रनिंग स्टाफ को पर्याप्त विश्राम उपलब्ध कराना सुरक्षित रेल संचालन के लिए महत्वपूर्ण है। अच्छी तरह विश्राम किया हुआ लोको पायलट और ट्रेन मैनेजर अधिक सतर्कता एवं कार्यकुशलता के साथ अपनी जिम्मेदारियां निभा सकता है। जम्मू मंडल की ओर से इस परियोजना को फ्रंटलाइन रेल कर्मचारियों के कल्याण और बेहतर कार्य वातावरण उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

दुर्गापूजा के स्टॉल पर 'शारदोत्सव' लिखने पर रोक, शुभेंदु ने कहा- 'दुर्गापूजा' ही लिखना होगा

एजेंसी, कोलकाता

पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने दुर्गापूजा के दौरान लगाए जाने वाले स्टॉल और आयोजनों के नाम को लेकर कड़ा संदेश दिया है। गुरुवार को विधानसभा में उन्होंने कहा कि दुर्गापूजा के अवसर पर लगाए जाने वाले स्टॉल पर 'शारदोत्सव' के बजाय 'दुर्गापूजा' लिखा जाना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि दुर्गापूजा की जगह 'शारदोत्सव' लिखे जाने वाले स्टॉल को अनुमति नहीं दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि दुर्गापूजा को 'सार्वजनिक उत्सव' के रूप में मनाया जाता है और इसके आयोजन में धार्मिक पहचान के आधार पर किसी प्रकार का भेदभाव स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पूजा के दौरान सभी समुदायों के लोगों को अपने धार्मिक विश्वास और परंपराओं का पालन करने की स्वतंत्रता होनी चाहिए।

विधानसभा में मुख्यमंत्री ने राजनीतिक विरोध-प्रदर्शन, कानून-व्यवस्था और धार्मिक पहचान से जुड़े मुद्दों पर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि किसी भी परिस्थिति में धार्मिक पहचान के आधार पर किसी विशेष समुदाय या समूह को निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि किसी विरोध-प्रदर्शन के दौरान तनावपूर्ण स्थिति पैदा होती है तो कानून-व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी पुलिस की है। जनप्रतिनिधियों को हाथ में लाठी लेकर सड़क पर उतरने की जरूरत नहीं है। उन्होंने राजनीतिक मतभेदों के बावजूद हिंसा और तनाव पैदा करने से बचने की अपील की तथा शांति बनाए रखने पर जोर दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवा वस्त्र पहनने, शिखा रखने या धार्मिक माला धारण करने वाले किसी व्यक्ति को उसकी धार्मिक पहचान के आधार पर निशाना नहीं बनाया जा सकता। उन्होंने कहा कि मुस्लिम, हिंदू, बौद्ध अथवा किसी अन्य धर्म के लोगों को अपने-अपने धर्म का पालन करने की स्वतंत्रता होनी चाहिए। दुर्गापूजा समितियों का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पूजा के आयोजन और सरकारी सहायता से संबंधित निर्धारित नियमों का पालन करना होगा। उन्होंने स्पष्ट संकेत दिया कि नियमों का उल्लंघन करने वाले आयोजनों या स्टॉल के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

हिन्दी दैनिक समाचार
ट्रूथ पथ

धनबाद, शुक्रवार 11 सितंबर 2026
E-Mail:-truthpath941@gmail.com

अर्जुन बिजलानी ने काम और परिवार के बीच तालमेल को लेकर बात की

टीवी की दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाने वाले अभिनेता अर्जुन बिजलानी इन दिनों अपने काम को लेकर काफी व्यस्त हैं लेकिन वह काम के साथ-साथ अपने परिवार को भी अहमियत देते हैं। साथ ही, कोशिश करते हैं कि बिजी शेड्यूल के बीच अपनों के लिए समय निकाल सकें। उन्होंने अपने काम और परिवार के बीच तालमेल को लेकर बातचीत की।
अर्जुन बिजलानी ने बात करते हुए काम और परिवार के बीच तालमेल को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने माना कि हर पेशे में कुछ न कुछ समझौते करने पड़ते हैं। कई बार काम की वजह से जिंदगी के कुछ निजी और खास पल छूट जाते हैं लेकिन अर्जुन इसे अपने पेशे का हिस्सा मानते हैं। उनका कहना है कि वह खुशकिस्मत हैं कि उन्हें वह काम करने का मौका मिल रहा है, जिसे वह दिल से पसंद करते हैं। ऐसे में उनके लिए सबसे जरूरी बात यह है कि काम के साथ परिवार के लिए भी समय निकाला जाए।
आईएएनएस से अर्जुन बिजलानी ने कहा, ''मैं काम को लेकर अपनी जिम्मेदारी समझता हूं लेकिन परिवार की जरूरतों और भावनाओं को भी नजरअंदाज नहीं करता। बात सिर्फ सही संतुलन बनाने की है।''उन्होंने कहा, 'यह संतुलन बनाना मेरे लिए एक तरह की लगातार चलने वाली कोशिश है। शूटिंग और दूसरे कामों के बीच जब भी मुझे मौका मिलता है, मैं अपने परिवार के साथ समय बिताने की कोशिश करता हूं। मेरे लिए जरूरी नहीं कि त्योहार सिर्फ घर पर रहकर ही मनाया जाए बल्कि जहां मैं हूं, वहीं खुशियां बांटना भी मेरे लिए मायने रखता है।'
अर्जुन ने कहा, ''मेरे करियर में कई ऐसे मौके आए हैं, जब पेशेवर जिम्मेदारियों के कारण मैं परिवार के साथ महत्वपूर्ण मौकों पर उनके पास नहीं रह पाया। लगातार शूटिंग और काम की वजह से ऐसा होना मेरे लिए आसान नहीं रहा। हालांकि, वह अपने परिवार को लेकर काफी खुशकिस्मत महसूस करते हैं, क्योंकि उनके मुताबिक परिवार उनके काम की मजबूरियों को समझता है और हर समय उनका साथ देता है। अर्जुन ने कहा, ''मेरे करियर में कभी-कभी ऐसे मौके आए हैं, जब पेशेवर जिम्मेदारियों के चलते मुझे कुछ महत्वपूर्ण मौकों पर भी परिवार से दूर रहना पड़ा। हालांकि, मैं इस बात को लेकर खुद को भाग्यशाली मानता हूं कि मेरा परिवार मेरे काम को समझता है और हमेशा मेरा साथ देता है।

पिता सचिन पिलगांवकर की ट्रोलिंग पर श्रेया का करारा जवाब

दिग्गज अभिनेता और फिल्मकार सचिन पिलगांवकर पिछले छह दशक से ज्यादा समय से बॉलीवुड इंडस्ट्री का हिस्सा हैं। पिछले कुछ समय से वह अपने इंटरव्यूज को लेकर सोशल मीडिया पर ट्रोल हो रहे है, जिसके बाद सपोर्ट में उनकी बेटी श्रेया पिलगांवकर उतरीं और कहा कि जो लोग उनको इंटरनेट पर ट्रोल कर रहे हैं, वही लोग जब सामने मिलते हैं तो तस्वीर खिंचवाने के लिए पहुंच जाते हैं। श्रेया ने खास बातचीत में कहा, ''लोगों को शायद इस बात का अंदाजा नहीं है कि मेरे पिता ने अपने लंबे करियर में कितना कुछ देखा और सीखा है। उनके पास फिल्मी दुनिया का 60 साल से ज्यादा का अनुभव है और इतने लंबे सफर में उन्होंने इंडस्ट्री के कई दौर अपनी आंखों से देखे हैं। इसलिए जब उनसे उनके जीवन या करियर को लेकर सवाल किया जाता है, तो वह अपने अनुभव साझा करते हैं और इसमें कुछ भी गलत नहीं है।''
श्रेया ने कहा, ''अगर सोचा जाए, किसी ऐसे व्यक्ति को बातचीत के लिए बुलाया जा रहा है, जिसने अपनी जिंदगी का बड़ा हिस्सा फिल्म इंडस्ट्री में बिताया है, तो जाहिर है कि वह अपने अनुभवों के बारे में ही बात करेगा। मेरे पिता कई इंटरव्यूज में अपने करियर, जिंदगी और इंडस्ट्री से जुड़े अनुभवों को साझा करते रहे हैं। इसमें मेरा मानना है कि लोगों को उनकी बातों को इसी नजरिए से देखना चाहिए, न कि हर बात को विवाद बनाने की कोशिश करनी चाहिए।''
उन्होंने आगे कहा, ''मनोरंजन जगत में ऐसा अक्सर देखने को मिलता है कि जो लोग किसी कलाकार को इंटरनेट पर ट्रोल करते हैं, वही लोग जब उससे सामने मिलते हैं तो तस्वीर खिंचवाने के लिए पहुंच जाते हैं। यह शोबिज की एक अजीब सच्चाई है। इंटरनेट पर किसी के बारे में कुछ और राय दिखाई देती है, जबकि आमने-सामने मिलने पर लोगों का व्यवहार बिल्कुल अलग होता है।'' श्रेया ने कहा, ''मैं और मेरा परिवार इस फर्क को अच्छी तरह समझता है। जब हम असल जिंदगी में लोगों के बीच जाते हैं तो हमें ज्यादातर प्यार ही मिलता है। इसलिए सोशल मीडिया पर चलने वाली नकारात्मक चर्चाएं हमें उतनी वास्तविक नहीं लगतीं। मेरे लिए असल मायने उस व्यवहार के हैं, जो लोगों से आमने-सामने मिलने पर मिलता है।''
अभिनेत्री ने कहा, ''कुछ लोग सिर्फ ध्यान खींचने के लिए भी ऐसी बातें करते हैं। कुछ लोगों के लिए दूसरों की सफलता और खुशी देखना भी आसान नहीं होता। जब कोई व्यक्ति जिंदगी की परेशानियों में उलझा होता है, तो कई बार वह दूसरे की खुशी या सफलता को भी उसी नजर से देखने लगता है। ऐसी बातों में उलझने के बजाय लोगों को अपना ध्यान प्यार और अच्छी चीजों पर रखना चाहिए।'' श्रेया जल्द ही निर्देशक प्रियदर्शन की फिल्म 'हैवान' में नजर आने वाली हैं। फिल्म में अक्षय कुमार और सैफ अली खान मुख्य भूमिकाओं में हैं। इस फिल्म में अक्षय कुमार खलनायक की भूमिका में हैं। फिल्म में बोमन ईरानी और सैयामी खेर भी अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे।

जो हित में था, उसे अपनाया और जो नहीं था, उसे बहा दिया

जानी-मानी अभिनेत्री श्रुति हासन ने साउथ हो या बॉलिवुड दोनों इंडस्ट्री में संतुलन साधना सीखा है। आठ साल की उम्र से बाल कलाकार के रूप में अपने करियर की शुरुआत करने वाली श्रुति का मानना है कि बीते सालों में सिनेमा ने उन्हें काफी मजबूत बनाया है। श्रुति उन अभिनेत्रियों में से हैं जो मुद्दों पर बात करने में पीछे नहीं रहतीं। वे कहती हैं, 'मैं हमेशा से उन बातों पर अपना टेक या विचार रखना पसंद करती हूं, जो मेरा अपना अनुभव हो या जिसे मैंने करीब से देखा हो। मैंने आज तक उन रैंडम टॉपिक, पॉलिटिकल या सोशल विषयों पर बात नहीं की, जिसकी मुझे जानकारी न हो। मैं अपने अनुभवों के आधार पर बात करना पसंद करती हूं।'
पिता कमल हासन की अभिनय की विरासत को आगे बढ़ाने वाली श्रुति साउथ के प्रभास, रजनीकांत, पवन कल्याण, विजय सरीखे सुपर स्टार्स के साथ काम कर चुकी हैं। हमने जब उनसे जानना चाहा कि आज दक्षिण के कलाकारों को पैन इंडिया स्टार कहा जा रहा है, बॉलिवुड और साउथ इंडस्ट्री की दूरी को पाटने की कोशिश लगातार जारी हैं, मगर क्या उन्हें लगता है कि वो अंतर अभी भी है, तो इस पर वे कहती हैं, 'असल में हमारे देश में अनगिनत अलग -अलग कल्चर और भाषाएं हैं।
श्रुति हासन ने कहा, 'हमारे देश के बारे में कहा जाता है कि विविधता में एकता है, मगर वो विविधता कभी घटती नहीं। आप अगर विकास में यकीन करेंगे, तो चाहे आप सिनेमा हों या मेडिसिन अथवा शिक्षा, विविधता को सकारात्मक रूप में लेंगे, मगर यदि आप संकीर्ण विचारधारा रखेंगे, तो यही डायवर्सिटी आपको नकारात्मक लगेगी। यह सोच और व्यक्ति दर व्यक्ति पर निर्भर करता है। मैं इसे पॉजिटिव तरीके से लेती हूं। इससे हमें नयी कहानियां मिलती हैं, नया नजरिया मिलता है। हर प्रदेश में एक विशिष्टता है।'
आज श्रुति का शुमार दक्षिण की सबसे ज्यादा फीस लेने वाली अभिनेत्रियों में शुमार है, मगर अपने करियर में उन्होंने भी मुश्किल वक्त देखा। वे कहती हैं, 'मैंने जब लक से अपने करियर की शुरुआत की, तब मेरे काम को दर्शकों ने नकार दिया था। लोगों ने मेरी काफी आलोचनाएं कीं। वह मेरे लिए सबसे बड़ा रिजेक्शन था, मगर मैंने उस आलोचना को कंस्ट्रक्टिव्ली लिया। मैंने आलोचनाओं को छननी की तरह लिया, जो मेरे हित में था, उसे अपनाया और जो नहीं था, उसे बहा दिया। मैंने लगातार अपनी गलतियों और कमियों से सीखा। मैंने कोशिश की कि किसी खांचे या फॉर्मूला में न अटकूं।'

जिंदगी से जुड़े विवादों की इतनी आदी हो चुकी हूं

भोजपुरी सिनेमा की लोकप्रिय अभिनेत्री आम्रपाली दुबे 'बिग बॉस 20' में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री का मानना है कि रियलिटी शो उनके स्टारडम को बढ़ाने से ज्यादा उनके द्वारा निभाए गए किरदारों के पीछे छिपे असली इंसान को दिखाने का मौका देगा। दरअसल, अभिनेत्री ने शो के अंदर जाने से पहले आईएएनएस के साथ बातचीत की। इसमें उन्होंने कहा कि उन्होंने जीवन में एक ही बार विवादों का सामना किया है। अगर शो के कंटेस्टेंट इस पर कोई टिप्पणी करते हैं, तो उन्हें इससे कोई फर्क नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि बिग बॉस मुझे अपने दर्शकों को अपना असली रूप दिखाने का मौका देगा, जो उन्होंने पहले कभी नहीं देखा। मैंने हमेशा कुछ ऐसे रोल और किरदार निभाए हैं, जो लिखे हुए होते थे। इस बार सब कुछ असली होगा और यही वजह है कि 'बिग बॉस' है।'

9 साल से लापता बच्चे की तलाश में भटकेगी परिणीति

अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा की वेब सीरीज 'शक: ट्रस्ट नो वन' रिलीज के लिए तैयार है। सोमवार को मेकर्स ने सीरीज का पहला लुक और रिलीज डेट की घोषणा की है। मेकर्स ने इंस्टाग्राम पर सीरीज का पोस्ट शेयर कर लिखा, 'शक की सुई चल पड़ी है, तारीख नजदीक आ रही है। सीरीज 'शक: ट्रस्ट नो वन' 24 सितंबर से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होने जा रही है।' रिलीज डेट सामने आने के बाद फैंस और फिल्म से जुड़े कलाकार काफी उत्साहित नजर आए। अभिनेत्री जेनिफर विंगट समेत कई कलाकारों ने कमेंट सेक्शन पर उत्सुकता जाहिर की। परिणीति इसमें एक ऐसी मां के रोल में हैं, जो अपने खोए हुए बच्चे को ढूंढ रही है। इस सीरीज में सोनी राजदान, अनूप सोनी, जेनिफर विंगेट, हरलीन सेठी, ध्रुव चौधरी और सुमीत व्यास भी नजर आएंगे। इस मिस्ट्री थ्रिलर सीरीज को रेंसिल डी 'सिल्वा और सिद्धार्थ पी. मल्होत्रा ने बनाया है और रेंसिल डी 'सिल्वा ने ही इसे डायरेक्ट किया है। शो में भरोसे और शक, दिल की सुनने और सच्चाई, प्यार और जुनून के बीच की बारीक लकीर को दिखाया गया है। यह प्रोजेक्ट परिणीति चोपड़ा का ओटीटी और वेब सीरीज की दुनिया में डेब्यू है। इसकी कहानी एक ऐसी मां के इर्द-गिर्द घूमती है जो अपने खोए हुए बच्चे की तलाश करती है और धीरे-धीरे अपनों के ही गहरे राजों और धोखों में उलझती चली जाती है।
डायरेक्टर और को-क्रिएटर रेंसिल डी 'सिल्वा ने 'शक: ट्रस्ट नो वन' को एक थ्रिलर है, जो अनिश्चितता पर बनी है। उन्होंने कहा, 'हर खुलासे के साथ एक नया सवाल खड़ा होता है और हर रिश्ते की एक और परत सामने आती है। मुझे सबसे ज्यादा इस बात ने अपनी ओर आकर्षित किया कि हम एक मां की इमोशनल जर्नी के जरिए एक सस्पेंस भरी कहानी को पर्दे पर ला रहे हैं, जो नौ साल से हार मानने को तैयार नहीं है। मैं खुशकिस्मत हूं कि मुझे नेटफ्लिक्स के साथ इस बोल्ड, इमोशनल और कई परतों वाली कहानी पर काम करने का मौका मिला।'

मिर्जापुर द मूवी: सीरीज से कितनी अलग है फिल्म?

पंकज त्रिपाठी, दिव्येंदु और अली फजल की मच अवेटेड फिल्म 'मिर्जापुर द मूवी' आज सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। जहां फिल्म में कुछ पुराने किरदारों की वापसी हुई है, वहीं कुछ ऐसे किरदार हैं, जो इस फिल्म में नए इंट्रोड्यूस हुए हैं।

इन किरदारों में कोई बदलाव नहीं

कालीन भैया- सीरीज की तरह मिर्जापुर द मूवी में पंकज त्रिपाठी ही कालीन भैया के किरदार में नजर आ रहे हैं।
गुड्डू भैया- अली फजल एक बार फिर फिल्म के जरिए गुड्डू भैया के किरदार में नजर आ रहे हैं।
मुन्ना भैया- 'मिर्जापुर द मूवी' में दिव्येंदु की वापसी हो रही है। इन्होंने सीरीज में भी काफी भौकाल मचाया था। इनकी एंट्री को लेकर फैंस में काफी एक्साइटमेंट है।
डिंपी, स्वीटी और गोलू- फिल्म में डिंपी का किरदार हर्षिता गौर, स्वीटी का किरदार श्रिया पिलगांवकर और गोलू के किरदार में फिर से श्वेता त्रिपाठी नजर आती हैं।
बबलू पंडित- फिल्म में सबसे बड़ा बदलाव बबलू पंडित के किरदार में हुआ है। सीरीज में ये किरदार विक्रांत मैसी ने निभाया था, लेकिन फिल्म में जितेंद्र कुमार इस रोल को निभाते नजर आएंगे।

इन नए किरदारों की हुई एंट्री

बब्बन बबुआ- फिल्म में रवि किशन की एंट्री हुई है, जो बब्बन बबुआ के रोल में नजर आते हैं।
भैरव सिंह कर्णावत- इस नए किरदार में आपको सुशांत सिंह नजर आएंगे।

मुमताज बीबी - सोनल चौहान भी इस फिल्म में मुमताज बीबी के किरदार में नजर आएंगी, जो सीरीज में नही थीं।

बिरजू लोहार - बिरजू लोहार के रोल के साथ मोहित मलिक भी इस फिल्म के अहम किरदारों में नजर आएंगे।

ये किरदार हैं मिसिंग

ललित - सीरीज में मुन्ना भैया के साथ रहने वाला ललित इस फिल्म में नजर नहीं आएंगे, क्योंकि उनका दिसंबर 2021 में निधन हो गया था।
एसपी परशुराम- सीरीज में स्वीटी और गोलू के पापा का किरदार निभाने वाले शहनवाज प्रधान भी फिल्म का हिस्सा नहीं हैं।
त्यागी परिवार- चूंकि फिल्म पहले सीजन के कुछ हिस्सों पर बनी है, इस वजह से इसमें त्यागी परिवार का कोई सीन नहीं है।
माधुरी यादव- सीरीज में पॉलिटिशियन और मुन्ना भैया की पत्नी का किरदार निभाने वाली ईशा तलवार भी इस फिल्म में नहीं हैं।